मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 209
गुरुवार, 12 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

लोकसभा में राहुल का वारः सरकार अमेरिका के आगे झुकी, देश के हित गिरवी

नई दिल्ली, 11 फरवरी। लोकसभा में बजट पर चल रही बहस उस समय गरमा गई जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव में फैसले ले रही है, जिससे राष्ट्रीय हित प्रभावित हो रहे हैं।

राहुल गांधी ने विशेष रूप से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि इससे देश की आर्थिक और रणनीतिक मजबूती पर असर पड़ सकता है। उनके बयान के बाद सदन में सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस छिड़ गई।

अपने संबोधन में राहुल गांधी ने दावा किया कि व्यापार समझौते के तहत ऐसे निर्णय लिए गए हैं, जिनसे ऊर्जा सुरक्षा, कृषि क्षेत्र, आईटी इंडस्ट्री और डेटा संरक्षण जैसे अहम क्षेत्रों पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते में देश की संप्रभुता और आर्थिक स्वतंत्रता सर्वोपरि होनी चाहिए। राहुल ने सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए और इसे राष्ट्रीय हितों के संदर्भ में परखा जाना जरूरी बताया।राहुल गांधी के आरोपों पर सत्ता पक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद में की जाने वाली आलोचना तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने विपक्षी नेता के कुछ शब्दों को अनुचित बताते हुए उन्हें रिकॉर्ड से हटाने की मांग की। रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए जा रहे फैसलों का बचाव किया और कहा कि सरकार राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

बहस के दौरान राहुल गांधी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने विदेशी कंपनियों को दी गई कथित कर रियायतों को लेकर सरकार से जवाब मांगा। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्य विरोध में खड़े हो गए और सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। स्थिति इतनी गरम हो गई कि बजट से जुड़े मूल मुद्दे पीछे छूट गए और चर्चा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई।यह घटनाक्रम दशार्ता है कि संसद में बजट जैसे अहम विषय भी अब तीखे राजनीतिक मतभेदों से अछूते नहीं हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है, जिस पर संसद और बाहर दोनों जगह बहस तेज होने की संभावना है।

निर्मला सीतारमण ने ममता सरकार पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली, 11 फरवरी। लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उनके बयान के दौरान टीएमसी सांसदों ने विरोध जताया, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। वित्त मंत्री ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि शासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिए।

सीतारमण ने अपने वक्तव्य में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी हालिया घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपराध पर सख्ती से नियंत्रण रखे। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में सुरक्षा का माहौल बनाना प्रशासन का दायित्व है और किसी भी तरह की सलाह जो पीड़ितों पर जिम्मेदारी डालती हो, उस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। साथ ही, उन्होंने कुछ आपराधिक घटनाओं और राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान हुई हिंसक घटनाओं का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

वित्त मंत्री ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी द्वारा जीएसटी पर दिए गए बयानों का जवाब देते हुए कहा कि कई आवश्यक वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दूध, शिक्षा (प्री-स्कूल से उच्च शिक्षा तक) और कुछ बुनियादी स्टेशनरी वस्तुओं पर कोई जीएसटी लागू नहीं है। अंत्येष्टि सेवाओं पर भी टैक्स लगाए जाने के दावों को उन्होंने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कर व्यवस्था को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने से बचना चाहिए और तथ्यों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए।

सीतारमण ने यह भी कहा कि बजट में पश्चिम बंगाल के लिए कई परियोजनाओं की घोषणा की गई है। ईस्ट कोस्ट इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का प्रस्ताव, जिसमें दुगार्पुर प्रमुख केंद्र होगा। दनकुनी से सूरत तक नया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर। वाराणसी से सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड कॉरिडोर का जिक्र। जूट उद्योग के पुनरुद्धार के लिए विशेष प्रावधान, किसानों के लिए उर्वरक और कृषि मद में बड़ा बजटीय आवंटन। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

यूपी बजट में महिलाओं, युवाओं और किसान को योगी सरकार की सौगात

लखनऊ, 11 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपनी सरकार का 10वां बजट प्रस्तुत करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस बजट में नई योजनाओं के लिए 43,565 करोड़ रुपये से अधिक का महत्वपूर्ण आवंटन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 2026-27 की योजना में राज्य भर में विकास को गति देने के लिए आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बजट में 43,565 करोड़ रुपये से अधिक की राशि केवल नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित की गई है। 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पूंजीगत व्यय के लिए है... यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इससे रोजगार सृजन भी होगा... यह हमारी सरकार का 10वां बजट है, और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को 10वां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी छवि बदलने के प्रयास किए हैं... यह बजट उन्हीं भावनाओं को दशार्ता है... 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश का बजट तीन गुना से अधिक बढ़ गया है। यह बजट महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं की क्षमता, किसानों के कल्याण और रोजगार पर केंद्रित है। इससे पहले, बुधवार को उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में 2026-27 का राज्य बजट पेश किया, जिसमें उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल के दौरान हासिल किए गए सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला।

राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थिति और औद्योगिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में बेहतर रैंकिंग का उल्लेख किया।

राहुल गांधी के 'देश बेचा' आरोप पर किरेन रिजिजू का पलटवार

नई दिल्ली, 11 फरवरी। बुधवार को लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर राहुल गांधी के भाषण को लेकर तीखी बहस छिड़ गई। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कह रहा हूँ कि आपने भारत को बेच दिया है। क्या आपको भारत को बेचने में शर्म नहीं आती? क्या आपको भारत को बेचने में कोई शर्म नहीं है? आपने हमारी माँ, भारत माता को बेच दिया है। दिलचस्प बात यह है कि मैं जानता हूँ कि प्रधानमंत्री सामान्य परिस्थितियों में भारत को नहीं बेचते। आप जानते हैं उन्होंने भारत को क्यों बेचा? क्योंकि वे उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है... हम प्रधानमंत्री की आँखों में डर देख सकते हैं। दो बातें हैं - पहली, एपस्टीन। 30 लाख फाइलें अभी भी बंद हैं।

राहुल के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ जो देश को बेच या खरीद सके। पीएम मोदी अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री हैं। बाद में किरेन रिजिजू ने कहा कि उन्होंने बिना पूर्व सूचना दिए मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन है। हम अध्यक्ष को आवश्यक सूचना देंगे। विपक्ष के नेता ने बजट चर्चा में कोई उपयोगी और ठोस योगदान नहीं दिया। वे केवल बेबुनियाद आरोप लगा रहे थे। मैंने उनसे कहा था कि जब वित्त मंत्री आज शाम 5 बजे बजट पर जवाब देंगे, तब वे सदन में उपस्थित रहें। अपने भाषण के बाद वे तुरंत सदन से बाहर चले गए। नियम यह है कि एक बार कोई सदस्य अपना भाषण दे दे, तो वह भाषण समाप्त होने के तुरंत बाद सदन नहीं छोड़ सकता।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जानबूझकर बार-बार ऐसा करते हैं। उनका भाषण आमतौर पर झूठ और आरोपों से भरा होता है। वे भाग जाते हैं और मंत्री का जवाब सुनने के लिए कभी नहीं बैठते। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे पास विपक्ष के नेता के पद के योग्य कोई गंभीर स्वभाव वाला व्यक्ति नहीं है। हमारी पार्टी ने यह रुख अपनाया है कि हम राहुल गांधी के झूठ का जवाब सदन के बाहर देंगे, लेकिन सदन के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा। हम स्पीकर को नोटिस भेजेंगे। राहुल गांधी ने प्रमाण देने का वादा किया है, लेकिन मुझे पता है कि वे प्रमाण नहीं दे सकते क्योंकि उन्होंने झूठ बोला है। उन्होंने सदन के सामने झूठ बोला है।

रिजिजू ने साफ तौर पर कहा कि हम राहुल गांधी के खिलाफ सदन को गुमराह करने और निराधार बयान देने के लिए विशेषाधिकार नोटिस दाखिल करने जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही और प्रक्रिया के स्पष्ट नियम हैं। जब कोई सदस्य किसी अन्य सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो उसे नोटिस देना होता है और आरोप को साबित भी करना होता है। मैंने अनुरोध किया है कि राहुल गांधी को सदन में बुलाया जाए ताकि वे अपने द्वारा उठाए गए बिंदुओं को प्रमाणित कर सकें। राहुल गांधी ने सरकार और प्रधानमंत्री पर निराधार और झूठे आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि प्रधानमंत्री ने भारत और भारतीय हितों को बेच दिया है। किस आधार पर? उन्होंने बिना नोटिस दिए हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

विकास के साथ युवाओं को चाहिए नौकरी: एच डी देवेगौड़ा

नई दिल्ली, 11 फरवरी। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा ने बुधवार को राज्यसभा में आम बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की प्रगति को समावेशी बनाने के लिए नीतियों के केंद्र में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। देवेगौड़ा ने कहा कि भारत वर्तमान में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। उन्होंने उल्लेख किया कि देश अब मध्यम आय वाले राष्ट्र से उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के कगार पर है। उनके अनुसार, वर्तमान के सरकारी उपाय ही यह तय करेंगे कि विकास कुछ वर्गों तक सीमित रहेगा या यह वास्तव में 'सबका साथ सबका विकास' बन पाएगा।

देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने भारत की विकास यात्रा के विभिन्न चेहरे देखे हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट एक ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया है, जब भारत एक मध्यम आय वाले राष्ट्र से उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के कगार पर है। उन्होंने कहा, हमारे उपाय यह तय करेंगे कि विकास सीमित रहेगा अथवा यह वास्तव में सबका साथ सबका विकास बन पाएगा। उन्होंने बजट के सकारात्मक पक्षों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें विनिर्माण क्षेत्र, मध्यम एवं लघु उद्योग क्षेत्र (एमएसएमई), आधारभूत क्षेत्र, निर्यात प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया गया है, जो आवश्यक भी है और समय की मांग भी है। देवेगौड़ा ने कहा कि कारोबार की सुगमता पर लगातार जोर दिए जाने, प्रक्रियाओं को सरल तथा स्वचालित बनाने के उपाय स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी आधुनिक अर्थव्यवस्था तब तक विकास नहीं कर सकती जब तक कि उद्यमी वर्ग नियमों के पालन को लेकर डर में जीता रहे। जनता दल (एस) प्रमुख ने सरकार को सुझाव दिया कि अकेले विकास से काम नहीं चलेगा, नीति पर विचार करते समय रोजगार को केंद्र में रखा जाना चाहिए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

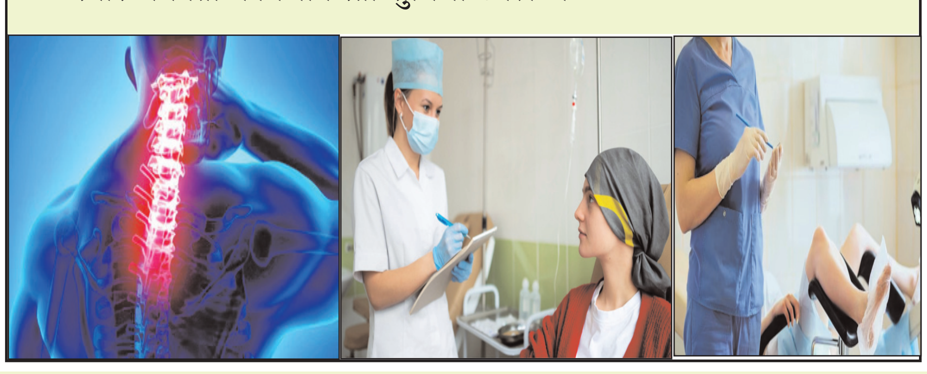

ईरान में प्रदर्शन हिंसा पर राष्ट्रपति ने मांगी माफी

ईरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देश में हुए व्यापक प्रदर्शनों और उसके बाद की गई सख्त कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि वह प्रदर्शनों और उसके बाद हुई घटनाओं के दौरान लोगों को पहुंचे गहरे दुख और पीड़ा को समझते हैं।

उन्होंने स्वीकार किया कि इन घटनाओं से जनता के भीतर आक्रोश और निराशा बढ़ी है। हालांकि, अपने बयान में उन्होंने ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका को सीधे तौर पर स्वीकार नहीं किया।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

-ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति नए भारत और विकसित भारत की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा विश्वास है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन

करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक गोल्डन ऑवर में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहां विशेषीकृत एजेंसियां, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियां तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो। अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तिकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

वंदे मातरम का सम्मान : शहीदों की विरासत और राष्ट्रधर्म की पुकार

-सुरेश गांधी

भारत की राष्ट्रीय चेतना का इतिहास केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि भावनाओं, संघर्षों और बलिदानों का महाग्रंथ है। इस महाग्रंथ के पन्नों में कुछ प्रतीक ऐसे हैं, जो समय और सत्ता से परे जाकर राष्ट्र की आत्मा बन जाते हैं। वंदे मातरम ऐसा ही एक अमर प्रतीक है। यह गीत केवल शब्दों की रचना नहीं, बल्कि उस भारत माता का वंदन है, जिसके लिए असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। आज जब इस गीत के सम्मान को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विमर्श और औपचारिक व्यवस्थाएं मजबूत हो रही हैं, तब इसे केवल सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि शहीदों की विरासत और राष्ट्रधर्म की पुकार के रूप में समझना आवश्यक हो जाता है।

वंदे मातरम् की रचना 1870 के दशक में महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। यह गीत उनके प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ। उस समय भारत अंग्रेजी शासन की दासता में जकड़ा हुआ था और राष्ट्रीय चेतना बिखरी हुई थी। वंदे मातरम् ने उस चेतना को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। इतिहास गवाह है कि 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का घोष बन गया। जब अंग्रेजों ने बंगाल को विभाजित करने का प्रयास किया, तब सड़कों पर उतरने वाले लाखों भारतीयों की जुबान पर केवल एक स्वर था, वंदे मातरम्। यह गीत आंदोलन की ऊर्जा बन गया और अंग्रेजी शासन को चुनौती देने का साहस पैदा किया।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक क्रांतिकारी संगठनों ने इस गीत को अपना प्रेरणा स्रोत बनाया। क्रांतिकारी खुदीराम बोस, बिपिन चंद्र पाल, अरविंद घोष, लाला लाजपत राय जैसे अनेक सेनानियों के आंदोलनों में यह गीत जनचेतना का माध्यम बना। कई ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि स्वतंत्रता सेनानी गिरफ्तारी के समय और फांसी पर चढ़ते हुए भी वंदे मातरम् का उद्घोष करते थे। यह गीत केवल राष्ट्रप्रेम का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि स्वतंत्रता की लड़ाई का हथियार बन गया।

भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को वंदे मातरम् के प्रथम दो छंदों को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्रदान किया। यह निर्णय गहन विचार-विमर्श के बाद लिया गया। संविधान सभा ने यह स्पष्ट किया कि राष्ट्रगान जन गण मन और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम दोनों ही राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि संविधान निर्माताओं ने वंदे मातरम् को केवल साहित्यिक या सांस्कृतिक धरोहर नहीं माना, बल्कि इसे राष्ट्रीय अस्मिता का आधार स्वीकार किया। भारत की स्वतंत्रता की यात्रा में जिस गीत ने जनमानस को एकजुट किया, उसे राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक के रूप में स्थान देना स्वाभाविक था। किसी भी राष्ट्र की पहचान उसके शहीदों के बलिदान से बनती है।

भारत की स्वतंत्रता लाखों ज्ञात-अज्ञात वीरों के संघर्ष का परिणाम है। इन शहीदों के लिए राष्ट्र केवल भूमि नहीं, बल्कि मां के समान था। वंदे मातरम् इसी मातृभूमि के प्रति समर्पण का गीत है। इतिहासकार बताते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत जनसभाओं, जुलूसों और आंदोलनों का स्थायी हिस्सा बन चुका था। अंग्रेजी शासन ने कई बार इस गीत के गायन पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया, क्योंकि यह जनता में विद्रोह की भावना जगाता था। प्रतिबंधों के बावजूद जब जनता वंदे मातरम् का स्वर बुलंद करती थी, तब वह केवल विरोध नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की घोषणा होती थी। आज जब हम वंदे मातरम् का सम्मान करते हैं, तो वह केवल सांस्कृतिक अनुष्ठान नहीं होता। वह उन शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि होती है, जिन्होंने इस गीत को अपनी सांसों में बसाया था। यह गीत राष्ट्र की सामूहिक स्मृति का हिस्सा है।

भारतीय दर्शन में राष्ट्र को केवल राजनीतिक इकाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अवधारणा माना गया है। राष्ट्रधर्म का अर्थ केवल कानून पालन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और सम्मान का भाव है। वंदे मातरम् राष्ट्रधर्म की उसी भावना को व्यक्त करता है। यह गीत भारत की प्रकृति, संस्कृति और मातृत्व के भाव का वर्णन करता है। इसमें राष्ट्र को देवी के रूप में चित्रित किया गया है, जो भारतीय परंपरा का मूल तत्व है। यही कारण है कि यह गीत केवल देशभक्ति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आस्था का भी प्रतीक है। हर राष्ट्र अपने प्रतीकों के माध्यम से नागरिकों को जोड़ने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत केवल औपचारिक प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे नागरिकों में साझा पहचान का भाव पैदा करते हैं।

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्व और बढ़ जाता है। यहां भाषा, धर्म, परंपरा और जीवनशैली में भिन्नता होने के बावजूद राष्ट्रभावना सभी को जोड़ती है। वंदे मातरम् इसी एकता का प्रतीक है। जब नागरिक इस गीत के सम्मान में खड़े होते हैं या इसे गाते हैं, तो वह राष्ट्र के प्रति सामूहिक सम्मान का प्रदर्शन होता है। यह परंपरा नई पीढ़ी में राष्ट्रीय गौरव और जिम्मेदारी की भावना पैदा करती है। आज का भारत वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के बीच राष्ट्रीय पहचान को मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। वंदे मातरम् जैसी सांस्कृतिक धरोहरें इस पहचान को स्थायी आधार प्रदान करती हैं. नई पीढ़ी के लिए यह जरूरी है कि वह वंदे मातरम् को केवल ऐतिहासिक गीत न समझे, बल्कि स्वतंत्रता संघर्ष की जीवंत विरासत के रूप में स्वीकार करे। जब युवा पीढ़ी इस गीत के भाव को समझेगी, तभी राष्ट्रधर्म की भावना मजबूत होगी।

राष्ट्रीय गीत का सम्मान राष्ट्र की गरिमा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी आवश्यक है कि इस सम्मान को संवेदनशीलता और संवाद के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था विविधताओं का सम्मान करती है। इसलिए राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक रूप से जनमानस में बसता है, तब वह अधिक प्रभावशाली और स्थायी होता है। वंदे मातरम का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब वह नागरिकों के हृदय में आत्मगौरव का भाव उत्पन्न करे। वंदे मातरम् केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की प्रेरणा और भविष्य की दिशा है। यह गीत भारत की आत्मा का स्वर है, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम की गूंज, शहीदों का बलिदान और राष्ट्रधर्म की पुकार समाहित है। आज जब यह गीत राष्ट्रीय जीवन में सम्मान के साथ स्थापित हो रहा है, तब इसे विवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और ऐतिहासिक विरासत के रूप में देखना चाहिए। क्योंकि राष्ट्र केवल संविधान और सीमाओं से नहीं बनता, राष्ट्र उन भावनाओं से बनता है जो नागरिकों को एक सूत्र में बांधती हैं। वंदे मातरम उसी सूत्र का अमर मंत्र है, जो शहीदों की स्मृति को जीवित रखता है, राष्ट्रधर्म का मार्ग दिखाता है और भारत की आत्मा को स्वर देता है।

यह अलग बात है देशभक्ति के प्रतीकों को लेकर भारत में समय-समय पर नई बहसें जन्म लेती रही हैं। अब गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर जारी नए निदेर्शों ने फिर एक बार राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक स्वतंत्रता के सवालों को ताश के पत्तों की तरह फेंटकर सामने रख दिया है। आदेश के मुताबिक सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् बजाया जाएगा, पूरे छह छंद गाए जाएंगे और उपस्थित लोगों का खड़े होकर सम्मान करना आवश्यक होगा। यह निर्णय जितना भावनात्मक प्रतीकवाद से जुड़ा है, उतना ही संवेदनशील लोकतांत्रिक विमर्श को भी जन्म देता है। भारत की आत्मा में ह्यवंदे मातरम केवल गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की चेतना का उद्घोष रहा है। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ यह गीत आंदोलनकारियों की सांसों में बसता था। यह वह स्वर था जिसने गुलामी की जंजीरों को चुनौती देने का साहस दिया। इसलिए राष्ट्रीय गीत के सम्मान की बात स्वाभाविक रूप से करोड़ों भारतीयों की भावनाओं से जुड़ती है। गृह मंत्रालय का यह कदम राष्ट्रप्रेम को औपचारिक स्वरूप देने की कोशिश माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या राष्ट्रप्रेम आदेशों से पैदा होता है या भावनाओं से? सरकार का तर्क है कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान राष्ट्र की एकता और अनुशासन का आधार होता है। राष्ट्रगान के लिए पहले से तय प्रोटोकॉल की तरह राष्ट्रीय गीत के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। यह सोच तार्किक प्रतीत होती है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रीय पहचान के प्रतीकों को गरिमा देना आवश्यक है। स्कूलों में वंदे मातरम् गाने पर जोर भी युवा पीढ़ी को देश के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की दिशा में सकारात्मक पहल कही जा सकती है। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती केवल अनुशासन में नहीं, बल्कि विविधता और स्वतंत्रता में भी होती है। भारत का संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति और विचार की स्वतंत्रता देता है। यही कारण है कि समय-समय पर राष्ट्रीय प्रतीकों को लेकर अनिवार्यता और स्वैच्छिकता की बहस उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट भी कई मामलों में यह स्पष्ट कर चुका है कि देशभक्ति का मापदंड केवल औपचारिक अनुष्ठानों से तय नहीं किया जा सकता। ऐसे में वंदे मातरम् के गायन को लेकर अनिवार्यता का सवाल स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बनेगा।

इतिहास भी बताता है कि वंदे मातरम के छह छंदों को लेकर पहले भी बहस रही है। 1950 में केवल शुरूआती दो छंदों को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया था क्योंकि बाद के छंदों को लेकर कुछ समुदायों ने धार्मिक आपत्तियां जताई थीं। अब पूरे छह छंदों को अनिवार्य करने का निर्णय कहीं न कहीं पुराने विवादों को फिर से हवा दे सकता है। भारत जैसे बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश में संतुलन बनाए रखना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। इस फैसले का राजनीतिक पहलू भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय प्रतीकों का इस्तेमाल अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाता है। सत्ता पक्ष इसे राष्ट्रवाद को मजबूत करने वाला कदम बता सकता है, जबकि विपक्ष इसे भावनात्मक मुद्दों के जरिए जनमत प्रभावित करने की रणनीति के रूप में देख सकता है। लोकतंत्र में यह टकराव नया नहीं है, लेकिन इससे यह सवाल जरूर उठता है कि राष्ट्रभक्ति को राजनीतिक बहस से ऊपर कैसे रखा जाए। यह भी सच है कि देशभक्ति किसी आदेश या दंड के भय से नहीं, बल्कि आत्मीय भाव से जन्म लेती है। जब नागरिक स्वेच्छा से राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करते हैं, तब वह सम्मान अधिक प्रभावशाली और स्थायी होता है। यदि किसी नियम को लागू करते समय संवाद और सहमति की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाए, तो वह नियम सामाजिक विभाजन का कारण भी बन सकता है।

गृह मंत्रालय का यह निर्णय राष्ट्रभावना को औपचारिक स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे किस संवेदनशीलता और संतुलन के साथ लागू किया जाता है। राष्ट्रप्रेम की जड़ें भावनाओं में होती हैं, और भावनाएं आदेशों से नहीं, विश्वास से मजबूत होती हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि वंदे मातरम् को केवल अनिवार्यता के दायरे में सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में समझाया जाए। यदि यह गीत नई पीढ़ी के दिलों में गर्व और सम्मान का भाव पैदा करता है, तो यही इस आदेश की वास्तविक सफलता होगी। राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान देश की पहचान का हिस्सा है, लेकिन उस सम्मान की आत्मा लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता की स्वीकार्यता में बसती है। वंदे मातरम् की गूंज तभी सार्थक होगी, जब वह केवल समारोहों तक सीमित न रहकर नागरिकों के दिलों में स्वाभाविक रूप से बस सके।

भारत की राष्ट्रीय चेतना केवल इतिहास की घटनाओं से नहीं, बल्कि उन भावनाओं और बलिदानों से निर्मित हुई है, जिन्होंने इस राष्ट्र की आत्मा को आकार दिया। वंदे मातरम ऐसा ही एक अमर स्वर है, जिसने गुलामी के अंधकार में स्वतंत्रता की मशाल जलाने का कार्य किया। यह गीत केवल मातृभूमि का वंदन नहीं, बल्कि उस संघर्ष और समर्पण की कहानी है, जिसमें असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंग्रेजी शासन के खिलाफ जब देश का जनमानस उठ खड़ा हुआ, तब वंदे मातरम् आंदोलन की धड़कन बन गया। क्रांतिकारियों की हुंकार, आंदोलनों की ऊर्जा और जनसभाओं की चेतना इसी गीत से सशक्त हुई। आज जब राष्ट्रीय जीवन में वंदे मातरम के सम्मान को और अधिक औपचारिक स्वरूप देने की पहल हो रही है, तब यह केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक स्मृति को जीवित रखने का प्रयास भी है। यह गीत भारत की सांस्कृतिक अस्मिता, स्वतंत्रता संग्राम की विरासत और राष्ट्रधर्म की भावना का प्रतीक है। वंदे मातरम् का सम्मान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि उन शहीदों के प्रति कृतज्ञता का भाव है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता और गौरव के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया

योगी के बजट से 2027 की बिसात, आंकड़ों के सहारे सियासी दांव

प्रयागराजञ उत्तर प्रदेश सरकार का 2026-27 का बजट केवल अगले वित्त वर्ष की आय-व्यय योजना नहीं है, बल्कि इसे 2027 के विधानसभा चुनाव की सबसे ठोस राजनीतिक पटकथा के रूप में देखा जा रहा है। 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये के इस बजट के जरिए सरकार ने यह साफ संकेत दिया है कि वह चुनाव से पहले विकास, सुरक्षा और कल्याण तीनों मोर्चों पर अपने दावों को आंकड़ों के साथ जमीन पर उतारकर पेश करना चाहती है। पिछले बजट के मुकाबले करीब 12.9 प्रतिशत बढ़े इस आकार को सत्ता पक्ष विश्वास का बजट बता रहा है, जबकि इसके भीतर छिपा राजनीतिक संदेश यह है कि सरकार न तो संसाधनों की कमी से जूझ रही है और न ही चुनाव से पहले खर्च बढ़ाने से पीछे हट रही है।

सरकार ने सबसे पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपने मजबूत पक्ष के रूप में सामने रखा है। 2024-25 के त्वरित अनुमान के अनुसार 30.25 लाख करोड़ रुपये की जीएसडीपी और 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर यह दिखाने की कोशिश है कि उत्तर प्रदेश अब केवल जनसंख्या वाला राज्य नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश बन चुका है। 2016-17 में जहां जीएसडीपी करीब 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं आठ-नौ वर्षों में इसके ढाई गुना से अधिक होने को सरकार स्थिर शासन और निवेश के अनुकूल माहौल का नतीजा बता रही है। 2027 के चुनाव में यह आंकड़ा खासतौर पर शहरी मतदाताओं, कारोबारियों और निवेश से जुड़े वर्गों के सामने रखा जाएगा, ताकि यह संदेश जाए कि सत्ता में बदलाव विकास की रफ्तार को रोक सकता है।

प्रति व्यक्ति आय को लेकर दिए गए आंकड़े भी इसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं। 2016-17 में 54,564 रुपये रही प्रति व्यक्ति आय के 2024-25 में बढ़कर 1,09,844 रुपये होने और 2025-26 में इसके 1,20,000 रुपये तक पहुंचने के अनुमान को सरकार आम आदमी की जिंदगी से जोड़कर पेश कर रही है। यह संदेश खास तौर पर मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के लिए है, जो महंगाई, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य खर्च को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित रहता है। सरकार का दावा है कि आय बढ़ने का मतलब सिर्फ आंकड़ों में सुधार नहीं, बल्कि उपभोग और जीवन स्तर में बदलाव है। गरीबी के मोर्चे पर 6 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने का दावा 2027 के लिहाज से सबसे बड़ा सामाजिक कार्ड माना जा रहा है। मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत कार्ड, शौचालय और बिजली कनेक्शन जैसी योजनाओं से जुड़े करोड़ों लाभार्थियों को एक साथ रखकर सरकार यह दिखाना चाहती है कि गरीब सिर्फ योजनाओं का नाम नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का केंद्र है। चुनावी रणनीति में यह वर्ग इसलिए अहम है क्योंकि यह सीधे सरकार से जुड़ाव महसूस करता है और उसके फैसले अक्सर स्थिर रहते हैं। रोजगार को लेकर बजट में पेश किए गए आंकड़े विपक्ष के सबसे मजबूत मुद्दे का जवाब माने जा रहे हैं। बेरोजगारी दर 2.24 प्रतिशत बताकर सरकार यह दावा कर रही है कि प्रदेश में रोजगार की स्थिति राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। पुलिस विभाग में 2017 से अब तक 2 लाख 19 हजार से अधिक भर्तियां, 1 लाख 58 हजार पदोन्नतियां, 60 हजार से ज्यादा प्रशिक्षणाधीन जवान और 83 हजार से अधिक पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया को एक साथ जोड़कर सरकार यह दिखाना चाहती है कि सरकारी नौकरियां सिर्फ घोषणाओं तक सीमित नहीं रहीं। शिक्षा क्षेत्र में 34 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति भी इसी दिशा में रखा गया कदम है, क्योंकि शिक्षक समुदाय ग्रामीण और कस्बाई राजनीति में राय बनाने की अहम भूमिका निभाता है।

युवाओं के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने की रणनीति भी बजट में साफ दिखती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बिना गारंटी और बिना ब्याज ऋण देकर हर साल 1 लाख सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका राजनीतिक मतलब यह है कि सरकार उन युवाओं को भी साधना चाहती है, जिन्हें सरकारी नौकरी की सीमित सीटों से निराशा हुई है। अगर यह योजना आंशिक रूप से भी सफल होती है, तो 2027 तक लाखों परिवार सीधे इससे जुड़ सकते हैं।

कृषि क्षेत्र के आंकड़े ग्रामीण राजनीति को ध्यान में रखकर चुने गए हैं। 3 लाख 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र में सरकार का सबसे मजबूत चुनावी हथियार माना जा रहा है। गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी से करीब 3000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त लाभ का दावा किसानों को यह याद दिलाने के लिए है कि भुगतान सीधे खाते में पहुंचा है। गेहूं, धान और मोटे अनाज की लाखों मीट्रिक टन खरीद और हजारों करोड़ रुपये के भुगतान के आंकड़े न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दिखाने की कोशिश हैं। नलकूपों के लिए मुफ्त बिजली की व्यवस्था ग्रामीण मतदाताओं के लिए सीधा संदेश है कि सिंचाई लागत सरकार उठाने को तैयार है। महिलाओं को लेकर बजट में दिए गए आंकड़े 2022 के चुनावी अनुभव से निकले हुए माने जा रहे हैं, जहां महिला मतदाताओं का झुकाव निर्णायक साबित हुआ था। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना के तहत 26.81 लाख बालिकाओं को लाभ, सेफ सिटी परियोजना, महिला पुलिस बीट, सीसीटीवी नेटवर्क और वर्किंग वूमेन हॉस्टल जैसे प्रावधान यह दिखाते हैं कि सरकार महिला सुरक्षा और सम्मान को केवल कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दा मानती है। महिला मतदाता भावनात्मक और व्यावहारिक दोनों आधारों पर निर्णय करती हैं, और बजट में यह संदेश उसी दिशा में जाता है।

कानून-व्यवस्था से जुड़े आंकड़े भी 2027 की चुनावी कहानी का अहम हिस्सा हैं। डकैती, लूट, हत्या और अपहरण जैसे अपराधों में 40 से 80 प्रतिशत तक कमी के दावे के जरिए सरकार यह स्थापित करना चाहती है कि उत्तर प्रदेश अब पहले जैसा असुरक्षित नहीं है। पुलिस भवनों, आवास और संसाधनों पर हजारों करोड़ रुपये के प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सुरक्षा ढांचे को और मजबूत किया जाएगा। यह संदेश शहरी मतदाताओं, व्यापारियों और महिलाओं के लिए खास तौर पर अहम है।

कुल मिलाकर 2026-27 का बजट एक ऐसा दस्तावेज बनकर सामने आया है, जिसमें हर बड़ा आंकड़ा 2027 के मतदाता को ध्यान में रखकर चुना गया है। विकास, कल्याण, सुरक्षा और पहचान चारों को जोड़कर सरकार ने यह दिखाने की कोशिश की है कि सत्ता की निरंतरता ही स्थिरता की गारंटी है। आने वाले महीनों में यही बजट गांव-गांव, शहर-शहर होने वाली राजनीतिक बहसों का आधार बनेगा, जहां सरकार इन आंकड़ों के सहारे भरोसा मांगेगी और विपक्ष इन्हीं आंकड़ों को चुनौती देने की कोशिश करेगा।

बसंत बना संत नही फागुन के रंग?

-विक्रम दयाल

फागुन का महीना आया हुआ है, मगर बसंत ऋतु तो पहले से ही आई हुई है। लेकिन न तो मौसम में नये रंग है और न मनुष्यों में ही फागुन महीने का कोई रंग है। अनंत रंग होते हुए भी मनुष्यों में अबकी बार रंगों की कोई गंध दिखाई नही दे रही है। चारो दिशाओं में थकावट, चीख पुकार, राजनीति की तकरार और रार है। न जाने कौन कौन से कुरंग सभी के अंदर समाहित है। बसंत और फागुन मौसम में आ करके भी कहीं किसी कोने में दुबके पड़े हुए है। जाड़े से जड़ गये हैं, और मनुष्यों पर उनका प्रभाव भी कम हो गया हैं। प्रकृति के प्राकृतिक शृंगार पक्ष का० लोप होता हुआ दिखाई पड़ रहा है। शृंगार पक्ष की इतनी अवहेलना संभवतः किसी भी समय में नही हुई होगी, जितना अबकी बार दिखाई दे रहा है। कोयल, मोर, पपीहा, तोते, और कलरव करने वाले हजारों कि संख्या में पंक्षियां, मन को लुभाने वाली पंक्षियों की आवाजे, लगता है न खिलने वाले फूलों की कलियों में कहीं दब गई है। हरे भरे जंगलों में पलास, टेसू, सदाबहार, खिलने वाले फूल और सरसो, मटर, चने के फूल खेतों मैं ही सुन्न पड़ गये हैं। बहती हवाओं की मादकता नष्ट हो गई हैं। आजकल बस चारो तरफ शोर के बोझ लिए सब ढ़ो रहे हैं। मनुष्यों के चेहरों से खुशियाँ, और हंसी नदारत है, जहाँ कभी बसंत वास करता था, आज उन चेहरों से मुस्कान उड़ गई है। आमतौर पर देखा जाता है बसंत आते ही प्रकृति में एक नया जीवन आ जाता है। पेड़ और पौधों में नये पत्ते आ जाते हैं, फूल खिलने लगते हैं, और हवा में ताजगी आ जाती है। लेकिन बसंत का मौसम केवल प्रकृति के लिए ही नही, बल्कि हमारे जीवन के लिए भी नया अवसर होता है। बसंत का मौसम तो एक शुरूआत है, असली रंग तो फागुन में ही आता है। फागुन का महीना रंगों का महीना होता है, जबकि प्रकृति में रंगों कि बरसात होती है। पेड़ों पर फूल खिलते हैं, और हवा में फूलों और रंगों की खुशबू आ जाती है। फागुन का महीना सिर्फ रंगों का ही महीना नही है, बल्कि यह हमारे जीवन में अद्भुत रंग भरने का अवसर प्रदान करता है। हम अपने जीवन में अनेकों रंग भर सकते हैं, और अपने सपनों को पूरा कर अनेको रंगों से सजा सकते हैं। इसलिए, बसंत बना संत नही, फागुन के रंग। बसंत का मौसम एक नया अवसर देता है, लेकिन फागुन का महीना हमें रंगों को भरने का अवसर प्रदान करता है। हम सबको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इसबार हरबार से कुछ अलग ही मौसम का मिजाज है। इसबार बसंत आया, लेकिन ऐसा आभास नही हो रहा है। बसंत का मौसम आते ही प्रकृति में एक नया जीवन आ जाता है, लेकिन इसबार ऐसा नही हो रहा है। पेड़ पर नये पत्ते आ जाते हैं, फूल खिलने लगते हैं, और हवा में एक ताजगी आ जाती है, लेकिन इस बार के मौसम में ऐसा कुछ भी नही हो रहा है। फागुन का महीना तो है, लेकिन लोगों में रंगत यानी रौनक नही है। लोगों के बीच में एक दूसरे के प्रति विश्वास नही है, और हर कोई अपने स्वार्थ में ही लगा हुआ है। ऐसे में बसंत भी अपना रंग नही दिखा पा रहा है। चारो तरफ गंदी राजनीति, कूटनीति और लूट का माहौल है। लोगों के बीच में एक दूसरे के प्रति विश्वास नही है और हर कोई अपने ही स्वार्थ में लगा हुआ है। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है, और हमें इस बारे मैं सोचना होगा-, और लोगों के बीच में विश्वास और एकता को बढ़ावा देना होगा। हमें अपनो से भी उम्मीद करनी चाहिए कि वे अपने स्वार्थ को छोड़कर, जनता के हित में, लोगों के हित में काम करें, और समाज को एक नई दिशा में ले जाने के लिए काम करें। लेकिन यह सबकुछ इतना भी आसान नही है। हमारे समाज में कई कई समस्याएं हैं, और उन्हें हल करने के लिए हमें एकजुट होना होगा। हमें अपने मतभेदों को भूलकर एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा। हमें अपने युवाओं को भी इसमें शामिल करना होगा। क्योंकि, वे ही तो हमारे समाज के भविष्य हैं, और उन्हें अपने समाज को सुधारने के लिए आगे आना होगा। हमें युवाओं को प्रेरित करना होगा, और उन्हें अपने समाज के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इस तरह हम अपने समाज को एक नई दिशा में लेकर जा सकते हैं। हम अपने समाज को एक स्वच्छ और सुंदर समाज बना सकते हैं, जहाँ लोग एक दूसरे के साथ मिलकर रहें, और अपने समाज के लिए काम करें।

मुलुंड पश्चिम में पाँच दर्जन से अधिक दुकानों पर चला मनपा का बुलडोजर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मनपा और पुलिस जहां एक तरफ उपनगर के स्टेशन और आसपास के इलाकों को फेरीवालों से मुक्त करने का अभियान चला रही है वहीं मुलुंड स्टेशन पश्चिम के बाहर एक बार फिर महानगरपालिका ने कार्रवाई करते हुए 62 दुकानों को तोड़ दिया। बताया जाता है कि कुछ माह पहले भी इसी तरह 17 दुकानों को ध्वस्त किया गया था।. दुकानदारों का कहना है कि हम लोग तकरीबन 50 साल से यहां पर धंधा कर रहे हैं। हमारी रोजी रोटी इसी धंधे से चल रही है। बताया जाता है कि बाकी पात्र दुकानदारों को स्थाई तौर पर विस्थापित नहीं किया गया है। उन्हें

विस्थापन के पहले ही दुकानों को तोड़ दिया गया।.बता दें की बुधवार को मनपा टी वार्ड के अतिक्रमण दस्ते ने रेलवे प्लेटफॉर्म नंम्बर 1के बाहर 62 दुकानों पर बुलडोजर चला कर कार्यवाई की।एक दुकानदार ने बताया कि हमें अभी स्थाई तौर पर विस्थापित नही किया गया है।जहां पर विस्थापित भी किया जा रहा है वहां की जगह किसी योग्य नहीं है। वह जगह धंधा करने योग्य नहीं है।

पीड़ित दुकानदार ने यह भी बताया कि उनके जीवनयापन का यही एक मात्र जरिया था।

वहीं ब्रिजेश शर्मा नामक दुकान मालिक ने बताया कि गिरिराज होटल के सामने पहले 33 दुकानों पर कार्यवाही हुई थी।मैकडोनाल्ड के सामने 17 दुकान और आज फिर 62 दुकानों पर कार्यवाई की गई है।ये सभी दुकानें 50 शाल पुरानी है।हमें उचित जगह पर विस्थापित नही किया जा रहा है। वहीं स्थानीय पत्रकार अविनाश पांडे ने मनपा की तोड़क कार्यवाही पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि परीक्षाओं के इस मौसम में मनपा की तोड़क कार्यवाही सरासर अन्याय है। क्योंकि स्कूल कालेज के बच्चों की भावनाएं आहत होती हैं।

बीएमसी पर बीजेपी का कब्जा, रितु तावड़े बनीं महापौर

मुंबई। भाजपा पार्षद रितु तावड़े बृहन्मुंबई नगर निगम की निर्विरोध महापौर चुनी गई हैं।

पिछले चार दशकों में यह पहली बार है जब भाजपा इस पद पर पहुंची है। शिवसेना की नगर निगम परिषद द्वारा उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चुनाव निर्विरोध हो गया, जिससे मुंबई के सबसे धनी नगर निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व समाप्त हो गया। शिवसेना नेता संजय घड़ी उप महापौर चुने गए हैं।

घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद, 53 वर्षीय तावड़े को जमीनी राजनीति, नगर प्रशासन और जन कल्याण में एक दशक से अधिक का अनुभव है। भाजपा के वरिष्ठ नेता उन्हें सक्रिय नेता और समुदाय से मजबूत जुड़ाव रखने वाली नेता बताते हैं, जिन्होंने प्रशासनिक क्षमता और स्थानीय लोगों से घनिष्ठ संबंध के संयोजन के लिए ख्याति अर्जित की है।

तावड़े मुंबई की नगर निगम राजनीति में एक प्रमुख हस्ती मानी जाती हैं। उन्होंने 2012 में वार्ड 127 से पार्षद चुने जाने के बाद पहली बार बृहन्मुंबई नगर निगम में प्रवेश किया।

2017 में वे घाटकोपर के वार्ड 121 से पुनः निर्वाचित हुईं। 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में तावडे ने वार्ड 132 से जीत हासिल की, जिससे देश के सबसे धनी नगर निगम में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई। पार्षद के रूप में अपनी भूमिका के अलावा, तावडे मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

ErlySign को यूएस एफडीए का ब्रेकथ्रू डिवाइस टैग मिला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नागपुर की बायोटेक कंपनी ErlySign ने कैंसर की जाँच की परिभाषा ही बदल दी है। कंपनी की सलाइवा-आधारित किट बिना दर्द, बिना चीर-फाड़ और बेहद आसान तरीके से कैंसर की शुरूआती पहचान कर लेती है। इसी नवाचार को देखते हुए यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इसे ब्रेकथ्रू डिवाइस का खास दर्जा दिया है—जो भारत के लिए सम्मान का क्षण है और वैश्विक मंच पर हमारी वैज्ञानिक क्षमता का प्रमाण भी। यह मान्यता साबित करती है कि ErlySign की तकनीक दुनिया भर में कैंसर को शुरूआती चरण में पकड़कर लाखों लोगों की जान बचाने की ताकत रखती है। यूएस एफडीए का 'ब्रेकथ्रू डिवाइस' दर्जा उन मेडिकल उपकरणों को दिया जाता है जो जानलेवा या लाइलाज बीमारियों के इलाज या पहचान में गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। इस मान्यता का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह तकनीक सरकारी मंजूरी की कतार में सबसे आगे रहती है। साथ ही, एफडीए के साथ सीधा तालमेल बढ़ने से यह तकनीक मरीजों तक बहुत कम समय में पहुँच पाती है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ErlySign के फाउंडर और सीईओ, शुभेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा, यूएस एफडीए से ब्रेकथ्रू डिवाइस का दर्जा मिलना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। यह सम्मान हमारी तकनीक की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता को प्रमाणित करता है, साथ ही हमें एफडीए के साथ तेज और प्राथमिकता वाले रेग्युलेटरी मार्ग प्रदान करता है। इससे हमारा टेस्ट दुनिया भर के मरीजों तक पहले से भी तेज गति से पहुँच सकेगा। हमारा मिशन है कि ओरल कैंसर की जाँच दर्दरहित, किफायती और हर व्यक्ति के लिए आसानी से सुलभ हो। ErlySign का यह टेस्ट भारत का पहला ऐसा तरीका है जो बिना किसी दर्द या चीर-फाड़ के, सिर्फ लार (सलाइवा) के जरिए मुँह के कैंसर का पता लगा लेता है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह कैंसर के लक्षण दिखने से पहले ही चेतावनी दे देता है—फिर चाहे वह मुँह, होंठ, जीभ या गले का कैंसर ही क्यों न हो। इसके लिए सिर्फ 2-5 मिलीलीटर लार की जरूरत होती है और मात्र 10 से 15 मिनट में रिपोर्ट मिल जाती है, जिससे कहीं भी आसानी से जाँच की जा सकती है। इस तकनीक का सफल परीक्षण हेल्थकेयर ग्लोबल लिमिटेड और नागपुर के राष्ट्रसंत तुकडोजी क्षेत्रीय कैंसर अस्पताल (RSTRCH) के सहयोग से किया गया है। नागपुर, बेंगलुरु और रांची के लगभग 1,000 मरीजों पर हुए इस बड़े ट्रायल में यह टेस्ट 98% सेंसिटिविटी और 100% सटीकता (Specificity) के साथ खरा उतरा है। ये नतीजे साबित करते हैं कि कैंसर की सही पहचान करने में यह टेस्ट बेहद भरोसेमंद और असरदार है।

ErlySign के को-फाउंडर और सीएसओ, डॉ. देवव्रत बेगड़े ने कहा: वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यूएस एफडीए की यह मान्यता हमारे अनुसंधान और हमारी तकनीक की विश्वसनीयता का स्पष्ट प्रमाण है। कैंसर के लक्षण दिखने से पहले उसकी पहचान करना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, और हमने इसे लार के साधारण नमूने से संभव कर दिखाया है। यह उपलब्धि इस विश्वास को और मजबूत करती है कि दर्दरहित और उन्नत विज्ञान मिलकर कैंसर जाँच के भविष्य को नया रूप दे सकते हैं। भारत में ओरल कैंसर अब भी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। हर वर्ष लगभग 1.43 लाख लोग इस बीमारी से प्रभावित होते हैं और 80,000 से अधिक मरीज समय पर पहचान न होने के कारण जान गंवाते हैं। समस्या का मूल कारण है स्क्रीनिंग की कमी और देर से पता चलना। ErlySign का सस्ता, सरल और दर्दरहित सलाइवा टेस्ट इस परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकता है। यह टेस्ट इतना आसान है कि इसे नियमित स्वास्थ्य जांच में शामिल किया जा सकता है, जिससे ग्रामीण, वंचित और हाई-रिस्क आबादी की जिंदगी समय पर बचाई जा सके।

सलमान खान के जीजा आयुष शर्मा को मिली धमकी, लारेंस गैंग के नाम से आई ईमेल

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर सनसनी फैल गई है। सुपरस्टार सलमान खान के परिवार से जुड़े एक सदस्य को कथित तौर पर धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि यह मेल एक सुरक्षित ईमेल सर्विस के जरिए भेजा गया और उसमें खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया गया। सूत्रों के मुताबिक, ईमेल में बड़ी रकम की मांग की गई है। बाद में यह स्पष्ट हुआ कि जिस शख्स को यह धमकी मिली है, वह अभिनेता आयुष शर्मा हैं, जो सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा के पति हैं। हालांकि इस मामले में अब तक न तो आयुष और न ही सलमान की ओर से आधिकारिक शिकायत दर्ज कराए जाने की पुष्टि हुई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

इसी क्रम में एक दिन पहले अभिनेता रणवीर सिंह को भी कथित तौर पर व्हाट्सऐप वॉइस नोट के जरिए धमकाया गया था। उस संदेश में भी भारी रकम की मांग की गई थी। जानकारी के अनुसार, रणवीर की टीम ने तुरंत मुंबई पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद उनके आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई। पिछले कुछ समय में कई फिल्मी हस्तियों के घरों और प्रतिष्ठानों के बाहर फायरिंग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर हुई गोलीबारी ने खासा ध्यान खींचा था। इसके अलावा कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे और निर्देशक रोहित शेट्टी के आवास के बाहर भी गोली चलने की घटनाओं की चर्चा रही। इन मामलों में कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आता रहा है।

एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया ने गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र पर लैंडमार्क एक्स्ट्राडोज्ड ब्रिज का निर्माण पूरा किया

मुंबई/पटना। एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने गुवाहाटी-नॉर्थ गुवाहाटी ब्रिज का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस पुल का उद्घाटन 14 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। यह परियोजना असम और पूरे नॉर्थ ईस्ट के लिए कनेक्टिविटी के लिहाज से एक अहम उपलब्धि मानी जा रही है। भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण नदियों में से एक, ब्रह्मपुत्र पर बने इस पुल की लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। इसके शुरू होने से गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, ट्रैफिक का दबाव घटेगा और रोजमर्रा के यात्रियों के साथ-साथ माल ढुलाई को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया के डायरेक्टर रोहित सिंगला ने कहा कि यह पुल सरकार की दूरदर्शी इंफ्रास्ट्रक्चर सोच और लगातार मिले सहयोग का परिणाम है। हमारी भूमिका इस सोच को एक मजबूत, सुरक्षित और लंबे समय तक उपयोग में आने वाले ढांचे में बदलने की थी। हमें पूरा विश्वास है कि यह पुल आने वाले कई वर्षों तक क्षेत्र की परिवहन जरूरतों को पूरा करेगा। यह पुल आधुनिक एक्स्ट्राडोज्ड डिजाइन पर आधारित है, जो पारंपरिक सस्पेंशन ब्रिज की तुलना में अधिक मजबूती और टिकाऊपन प्रदान करता है। ब्रह्मपुत्र जैसी चौड़ी और चुनौतीपूर्ण नदी पर इस डिजाइन ने निर्माण को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाया। अलग-अलग नदी परिस्थितियों में इस परियोजना को पूरा करना एसपीएस कंस्ट्रक्शन इंडिया की तकनीकी दक्षता और निष्पादन क्षमता को दर्शाता है।

मुंबई की पहली भाजपा महापौर रितु तावड़े का कृपाशंकर ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने 44 साल बाद मुंबई की पहली भाजपा महापौर रितु तावड़े को पुष्पगुच्छ तथा भगवान शंकर की मूर्ति देकर उनका सम्मान किया। कृपाशंकर ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में मुंबई महानगरपालिका में मिली शानदार विजय और नारी शक्ति के रूप में रितु तावडे का महापौर बनना मुंबई के विकास सुशासन और नई दिशा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि महापौर के रूप में रितु तावड़े मुंबई के सर्वांगीण विकास के साथ साथ मुंबई की शांति, सुरक्षा और मुंबईकरों के सम्मान की दिशा में अभूतपूर्व काम करेंगी।

दहानू तहसील अंतर्गत आयोजित वित्तीय साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र डहाणू शाखा एवं वित्तीय साक्षरता सलाह केंद्र, पालघर के संयुक्त तत्वावधान में डहाणू तहसील के आगवन गांव में मंगलवार 10 फरवरी को वित्तीय साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि तौर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) विशाल वाघ उपस्थित थे।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शाखा प्रबंधक गणेश घंटे ने केवाईसी एवं री-केवाईसी (आर के वाई सी) अपडेट कराने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि री-केवाईसी पूर्ण न होने पर बैंक खातों पर विभिन्न प्रकार की सीमाएं लग सकती हैं। प्रमुख अतिथि विशाल वाघ ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अपने बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड, पिन नंबर एवं ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने पर विशेष जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान बैंकिंग साक्षरता, ऋण सुविधाएं, बीमा योजनाएं, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, साइबर अपराध से बचाव तथा महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न आर्थिक योजनाओं पर मार्गदर्शन किया गया। साथ ही मनी म्यूल अकाउंट, आरकेवाईसी एवं सुरक्षित बैंकिंग लेन-देन के प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया।

विशेष रूप से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जिम्मेदार बैंकिंग व्यवहार अपनाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर उपस्थित अन्वी पाटील ने कहा कि यह कार्यक्रम आर्थिक रूप से सशक्त एवं समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

वित्तीय साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), अटल पेंशन योजना तथा सुकन्या समृद्धि योजना की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, बैंक मित्र (बीसी) काशीनाथ माच्छी ने री-केवाईसी अपडेट कराने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का समापन नागरिकों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया।

इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र डहाणू शाखा के प्रबंधक, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, स्वयं सहायता समूह (एस एच जी) की बड़ी संख्या में महिला सदस्य तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सायन विज्ञान स्पर्धा में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुये झटके 15 पुरस्कार

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जीएम मोमिन विमेंस कॉलेज के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट एवं केमिस्ट्री टीचर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान आधारित स्पधाओं में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज, भिवंडी के छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। 10 फरवरी 2026 को आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 65 छात्रों ने भाग लेकर कुल 15 पुरस्कार जीते।

जूनियर कॉलेज स्तर पर पोस्टर, मॉडल, मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, एलिमेंट ऑक्शन सहित विभिन्न स्पधाओं में छात्रों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। सेकेंडरी स्कूल स्तर पर भी पोस्टर, बीइंग एन एलिमेंट और साइंस क्विज में छात्रों ने पुरस्कार जीते। जूनियर कॉलेज के छात्रों का मार्गदर्शन अंसारी सुमय्या मैडम तथा सेकेंडरी स्कूल के छात्रों का मार्गदर्शन हिना कौसर, फरीसा फकीह और निदा डोलारे मैडम ने किया। बेहतरीन प्रदर्शन और सर्वाधिक पुरस्कार जीतने पर रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय घोषित किया गया। इस सफलता पर केएमई सोसायटी प्रबंध समिति, चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी एवं समस्त स्टाफ ने छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी।

विश्वस्तरीय टेनिस टूनामेंट की मेडिकल पार्टनर बनीं जसलोक हॉस्पिटल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने प्रतिष्ठित महिला अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूनामेंट WTA 125 एल एंड टी मुंबई ओपन में आधिकारिक मेडिकल पार्टनर की भूमिका निभाई। यह टूनामेंट 30 जनवरी से 8 फरवरी 2026 तक महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन के टेनिस कोर्ट्स में आयोजित हुआ। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब जसलोक हॉस्पिटल इस टूनामेंट से जुड़ा है। यह साझेदारी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में खिलाड़ियों की सेहत और सुरक्षा के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस आयोजन की गरिमा माननीय श्री राहुल नार्वेकर, अध्यक्ष, महाराष्ट्र विधान सभा; श्री ओ.पी. गुप्ता, आईएएस; श्री संजय खंडारे, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी; श्रीमती पल्लवी दराडे, प्रधान आयकर आयुक्त; तथा श्री सुमित चटर्जी, मुख्य संचार अधिकारी, लार्सन एंड टुब्रो की प्रतिष्ठित उपस्थिति से और बढ़ गई, जिससे टूनामेंट की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्ता और भी उजागर हुई।

इस टूनामेंट का भारत में आयोजन महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन (MSLTA) द्वारा एल एंड टी (L&T) के साथ प्रस्तुतकर्ता भागीदार के रूप में किया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्ता और भी उजागर हुई। जसलोक हॉस्पिटल के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. मिलिंद खाडके ने कहा, इस बड़े अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट में आधिकारिक मेडिकल पार्टनर के रूप में जसलोक अस्पताल की भूमिका खिलाड़ियों की सुरक्षा, तुरंत आपातकालीन इलाज और बेहतर चिकित्सा सेवा के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता दिखाती है। कोर्ट पर तुरंत इलाज से लेकर लगातार मेडिकल निगरानी तक, हमारी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि खिलाड़ी मेडिकल सहायता पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। ऐसी पहलें दिखाती हैं कि बड़े खेल आयोजनों में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का जुड़ना कितना जरूरी है।

आधिकारिक मेडिकल पार्टनर के रूप में जसलोक हॉस्पिटल ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। इसमें कोर्ट पर आपातकालीन चिकित्सा सहायता, चोटों का तत्काल उपचार और पूरे टूनामेंट के दौरान निरंतर मेडिकल निगरानी शामिल रही। इसके साथ ही दर्शकों, आयोजन कर्मचारी और दल के सदस्य के लिए भी मेडिकल टीम पूरी तरह तैयार रही। इन सेवाओं का नेतृत्व डॉ. साचना शेट्टी, कंसल्टेंट इन इमरजेंसी मेडिसिन, जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने किया।

इस अवसर पर डॉ. साचना शेट्टी ने कहा, खिलाड़ियों की सेहत और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमने टूनामेंट के दौरान तुरंत चिकित्सा सहायता, चोटों का इलाज और लगातार मेडिकल निगरानी सुनिश्चित की। हमारी टीम खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार थी। इस तरह के आयोजनों में सहयोग भारत में स्पोर्ट्स इमरजेंसी केयर के बढ़ते महत्व को दशार्ता है।

यह साझेदारी खेल स्वास्थ्य और खिलाड़ियों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जसलोक हॉस्पिटल के निरंतर प्रयासों को दशार्ती है। विश्वस्तरीय टेनिस के साथ उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं को जोड़ते हुए, जसलोक हॉस्पिटल अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में मेडिकल तैयारियों की अहम भूमिका को और मजबूत करता है।

विधायक विनोद निकोले ने दवा सेवन कर किया हत्तीरोग उन्मूलन अभियान का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के दहाणू तहसील अंतर्गत स्थित आशागढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार 10 फरवरी को राष्ट्रीय हत्तीरोग नियंत्रण कार्यक्रम (एमडीए) के अंतर्गत एक दिवसीय हत्तीरोग विरोधी औषधोपचार अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक विनोद निकोले के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक निकोले ने स्वयं दवा का सेवन कर नागरिकों को अभियान में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। इस दौरान लोगों को बताया कि हत्तीरोग (फाइलेरिया) मच्छरों के माध्यम से फैलने वाली एक गंभीर बीमारी है, जो दीर्घकालीन अपंगता का कारण बन सकती है। इसलिए इसके रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से दवा सेवन अत्यंत आवश्यक है। इस अभियान के तहत चयनित तहसीलों में डीईसी, अल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन ये तीनों दवाएं एक साथ दी जायेंगी। दवाओं का वितरण बूथों पर तथा स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर किया जायेगा। दो

वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जायेगी। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि दवाएं खाली पेट न लें एवं आशा कार्यकर्ता या स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति में ही दवा का सेवन करें, ताकि अभियान सफल हो सके और हत्तीरोग मुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। कार्यक्रम में सोगवे गांव की सरपंच लहानी दौडा, आशागढ़ ग्रामपंचायत के सदस्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वैद्यकीय अधिकारी डॉ. गणेश पांचाल, डॉ. प्रिया तिवारी, आरोग्य कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

नगरसेवक ने किया विद्याविहार स्टेशन का दौरा

फेरीवालों और रिक्शा की समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के सभी स्टेशन परिसर के इर्द गिर्द बिना इजाजत के फेरीवालों और ऑटो रिक्शा की एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। यात्रियों को होने वाली परेशानी को संज्ञान में लेते हुए नगरसेवक धर्मेश गिरि ने विद्याविहार स्टेशन का दौरा किया। बता दें कि घाटकोपर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक पराग शाह ने संबंधित अधिकारियों को लेकर अवैध फेरीवालों, अवैध रिक्शावाले और पार्किंग के खिलाफ कार्यवाही शुरू कराई थी। इसी के तहत, वार्ड नंबर 130 के नवनिर्वाचित नगरसेवक धर्मेश गिरी ने विद्याविहार स्टेशन पर यात्रियों की शिकायतों पर ध्यान देते हुए विद्याविहार पश्चिम स्टेशन रोड इलाके में फेरीवालों और शेयरिंग ऑटो रिक्शा से होने वाली परेशानियों को लेकर निरीक्षण किया। इस दौरान कॉपोरेटर धर्मेश गिरी के साथ इटउ के लीगल ऑफिसर केदारे, स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी और ट्रैफिक डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान

फेरीवालों और ट्रैफिक की वजह से नागरिकों को पैदल चलने में होने वाली परेशानियों के बारे में चर्चा की गई।

गिरी ने संबंधित अधिकारियों को सही एक्शन और उपाय करने के निर्देश दिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कॉपोरेटर धर्मेश गिरी ने कहा कि इस समय स्टेशन इलाके में फेरीवालों और रिक्शा की समस्या सबसे बड़ी समस्या है और इसे हल करना जरूरी हो गया है और अगर अधिकारी इस बारे में गंभीर नहीं हुए और कोई उपाय नहीं किया, तो नागरिकों को आंदोलन का रुख अपनाना पड़ेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शादी समारोह में जा रही महिला से सोने की चेन छीनकर फरार हुए नकाबपोश

भीड़भाड़ वाले इलाके में बेखौफ बदमाशों की दुस्साहसिक वारदात से इलाके में दहशत

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शादियों के सीजन में जहां शहर के होटल, मैरेज हॉल और सड़कें उत्सव के रंग में रंगी हुई हैं, वहीं इसी भीड़-भाड़ और चहल-पहल का फायदा उठाकर अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। मंगलवार की रात शाहगंज के सबसे व्यस्त इलाके में हुई एक घटना ने लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब नौ बजे पुरानी बाजार निवासी अनीता सोनी, पत्नी रजनीश सोनी, अपने घर से पांच अन्य महिलाओं के साथ नगर के हनुमानगढ़ी स्थित एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रही थीं। जैसे ही वे चूड़ी मुहल्ला स्थित बिस्मिल्ला मार्केट के पास पहुंचीं, तभी अपाचे बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने अचानक झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की

चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पीड़िता के अनुसार, छीनी गई सोने की चेन की कीमत खरीद के समय लगभग दो लाख रुपये थी, जबकि वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार इसकी कीमत करीब आठ लाख रुपये आंकी जा रही है।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हर पहलू से मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही बदमाशों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

अलफारूक पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह सम्पन्न

बसंत कुमार मिश्रा लगातार तीसरी बार बने बेस्ट टीचर

वसीम अहमद

संवाददाता, सुईथाकलां (जौनपुर)। कादीपुर क्षेत्र स्थित अलफारूक पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कक्षा 10 के छात्रों द्वारा रिबन व केक काटकर की गई।

इस अवसर पर जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। विदाई गीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को यादगार बना दिया। विद्यालय की छात्राएं हुरैना व काशिश की टीम ने भावपूर्ण विदाई गीत प्रस्तुत किया। वहीं सुमैया, रोजी, अनन्या, अदिति, श्रेया एवं रिया ने मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा 10 की छात्रा रिया मिश्रा को बेस्ट अटेंडेंस, तरन्नुम को बेस्ट डिसिप्लिन, शालिनी को बेस्ट एक्टिविटी तथा रिया मिश्रा व अक्षांश वर्मा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के सहायक अध्यापक बसंत कुमार मिश्रा लगातार तीसरी बार बेस्ट टीचर चुने गए। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान ने उन्हें मेडल देकर सम्मानित किया तथा भूरी-भूरी प्रशंसा की।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने छात्रों को आगामी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा में बेहतर सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को पूरे वर्ष की शिक्षण शुल्क की प्रतिपूर्ति के साथ विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

इस अवसर पर साधना सिंह, सुधीर कुमार सिंह, माला सिंह, अमृता यादव, सुषमा, सबीहा खान, जेबा खान, माहेरा खान, मिस्बा खान, मरियम खान, शफाक खान, रफिया खान, पवन कुमार, शुशीला सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम की सफलता पर विद्यालय परिवार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नैतिक मूल्य और सामाजिक समरसता जरूरी: कुलपति

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानववाद' भारतीय चिंतन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के समन्वित विकास की परिकल्पना प्रस्तुत की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शैक्षणिक उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की भावना को भी सुदृढ़ करना है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें।

वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने आर्थिक दृष्टि से अंत्योदय और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल दिया। वहीं परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का जीवन अनुशासन, संगठन और राष्ट्र समर्पण का आदर्श उदाहरण है।

इस अवसर पर प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर राजेश शर्मा, प्रोफेसर मनोज मिश्र, प्रोफेसर हरिओम त्रिपाठी, प्रोफेसर गिरधर मिश्रा, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. अंकित कुमार सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. निलेश कुमार सिंह, डॉ. महेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शोधपीठ के सदस्य डॉ. अनुराग मिश्र ने सभी का आभार प्रकट किया।

जौनपुर काशी, विंध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण में शामिल विकास को मिलेगी नई रफ्तार: कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में पेश 9.13 लाख करोड़ रुपये के

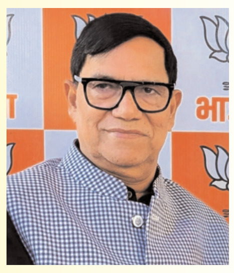

बजट में खजाना खोलते हुए योगी सरकार ने तोहफों की बारिश कर दी जिसमें जौनपुर जिले को काशी, विंध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण में शामिल किया है जो जौनपुर के लिए एक उपलब्धि है वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने आज इस प्राधिकरण के गठन की घोषणा करते हुए जौनपुर को भी इसमें शामिल करने की घोषणा की। इस कदम से जिले के विकास को गति मिलेगी। जिसको लेकर जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अब काशी और विंध्य क्षेत्र की तर्ज पर 'शिराज-ए-हिंद' जौनपुर का भी विकास सुनिश्चित होगा जिससे जौनपुर के विकास को नई रफ्तार मिलेगी यह बजट गरीबों के उत्थान, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, अन्नदाताओं को सामर्थ्यवान और विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए आज का यह बजट ऐतिहासिक है उत्तर प्रदेश ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 9 वर्षों में जो विकास की यात्रा बढ़ाई है उसमें यह बजट मिल का पत्थर साबित होगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार रात महाराजगंज थाना क्षेत्र के सुहिंदा चौराहा के पास अज्ञात वृद्ध उम्र लगभग 65 वर्ष कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने 108 नंबर एंबुलेंस कर्मचारियों की मदद से घायल वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां पर चिकित्सक ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर नियमानुसार 72 घंटे के लिए जिला अस्पताल के मोर्चरी घर में शव को रखवा दिया और मृतक की पहचान करवाने हेतु जुटी हुई है।

महिला को झांसा देकर सात लाख रुपये लेकर फरार हो गए उचक्के

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट थाना क्षेत्र में मंगलवार को उचक्कों ने महिला को झांसा देकर सात लाख रुपयों से भरा बैग गायब कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर घटना की छानबीन में जुटी है। हनुमानगंज सरैया निवासी चंदा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने स्टेट बैंक से सात लाख रुपये निकाले और झोले में भरकर गोलघर चौराहे से आगे वी-मार्ट के पास पहुंची थीं। उसी दौरान युवकों ने उनके स्वेटर पर एक झोला फेंक दिया। इससे उनका स्वेटर गंदा हो गया। एक युवक ने आकर कहा कि आगे नल लगा है, वहां जाकर धो लीजिए।

महिला नल पर अपना स्वेटर धोने लगी। इसी दौरान पैसों से भरा झोला गायब हो गया। पुलिस का कहना रहा कि महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर घटना की छानबीन की जा रही है।

शराब की दुकान में हुई चोरी, नब्बे हजार नगद सहित शराब भी गायब

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब के स्थानीय थाना क्षेत्र के बूड़ापुर गांव स्थित देशी शराब की दुकान में मंगलवार की रात चोरी की घटना हुई। चोरों ने शराब ठेके में रखे गए 90 हजार रुपये नगद और शराब की पेटी भी उठा ले गए। घटना की जानकारी तब हुई जब दुकान का सेल्समेन सुबह दुकान खोलने आया। सेल्समैन सनी हर रोज रात में दुकान बंद कर अपने घर चला जाता था। सेल्समैन सनी ने बताया कि दुकान की पेटी से लगभग 90 हजार रुपये नकद और शराब की 18 पेटियां भी चोरी हो गई। शराब की कीमत लगभग 50 हजार बताई जा रही है। चोरों ने दुकान में लगी सीसीटीवी की डीवीआर भी उठा ले गए।सेल्समैन सनी ने बताया कि चोर पड़ोसी के घर का ताला तोड़कर उसके सहारे दुकान में दाखिल हुए थे। दुकान की छत पर बने एक छोटे ओपेन के रास्ते से चोर अंदर प्रवेश किया। सेल्समेन सनी द्वारा दी गई सूचना पर डायल 112 टीम भी मौके पर पहुंची। राजातालाब थाने की पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया।शराब ठेका मालिकिन सुधा गुप्ता ने थाना राजातालाब में तहरीर दी है।

जीनोमिक्स के बाद प्रोटियोमिक्स से तय होगा जीव विज्ञान का भविष्य: डॉ.राकेश कुमार सिंह

जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, अटलांटा (अमेरिका) के वैज्ञानिक का हुआ व्याख्यान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विज्ञान संकाय में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान में जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान, अटलांटा (अमेरिका) के वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि जीनोमिक्स के बाद प्रोटियोमिक्स ही जीव विज्ञान का भविष्य है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में यह क्षेत्र रोग-निदान, औषधि-विकास, जैव-प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य अनुसंधान में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

डॉ. सिंह ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की प्रगति अत्यंत तीव्र गति से हो रही है, इसलिए विज्ञान के विद्यार्थियों को अपने विषय के नवीनतम विकासों को गंभीरता से समझना चाहिए तथा उसी स्तर तक पहुँचने के लिए निरंतर परिश्रम करना

चाहिए। उन्होंने कहा कि परिश्रम और जागरूकता ही सफलता का मूलमंत्र है। इस अवसर पर जैव रसायन (बायोकेमिस्ट्री), जैव प्रौद्योगिकी तथा सूक्ष्म जीव विज्ञान विषय के परास्नातक विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा के अनुरूप विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. सिंह ने विस्तार से उत्तर दिया।

कार्यक्रम में विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा एवं कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने डॉ. राकेश कुमार सिंह का स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव कुमार मौर्य ने किया। वहीं आतिफ फातिमा एवं मंजूषा सिंह ने मंच से डॉ. राकेश कुमार सिंह का जीवन-परिचय प्रस्तुत किया। अंत में डॉ. एस. पी. तिवारी ने सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मारुति सिंह, डॉ. सिपाही लाल, डॉ. विवेक सिंह एवं डॉ. चंद्रशेखर सिंह का विशेष सहयोग रहा।

घायल युवक की वाराणसी ले जाते समय मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र कीरतापुर गांव निवासी रवि सोनकर उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र लल्ला सोनकर जीजा सोनू के साथ बाइक से धमार्पुर में मार्केट करने के लिए आया हुआ थे। इसी दौरान धमार्पुर और कबीरउद्दीनपुर गांव के मध्य बाइकों की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हो गये । जिसकी उसकी वाराणसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।जबकि जीजा सोनू मामूली रूप से जख़्मी हुए दूसरा बाइक सवार भी चोटिल हो गया। दोनों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। रवि सोनकर की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खुटहन पुलिस टीम द्वारा अन्तर्जनपदीय गाँजा तस्कर गिरोह के 02 सदस्यों गिरफ्तार

◆ कब्जे से 01 क्विंटल 40 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा अन्तर्जनपदीय गाँजा तस्कर गिरोह के 02 सदस्यों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से 01 क्विंटल 40 किलोग्राम अवैध गांजा (जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 3500000/- (पैंतीस लाख रुपए) व 01 अपाची मोटरसाइकिल बरामद। कुंवर अनुपम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थों के रोकथाम व संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे। अभियान के क्रम मे आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस नगर जौनपुर के निर्देशन व अजीत सिंह चौहान, क्षेत्राधिकारी शाहगंज के कुशल पर्यवेक्षण में थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा सराय मोहिद्दीनपुर रोड पर चेकिंग की जा रही थी कि खुटहन की तरफ से विशुनपुर की तरफ आ रहे मोटर साइकिल सवार दो व्यक्तियों को रोका गया तो दोनों भागने लगे, जिनको पुलिस टीम द्वारा मौके पर ही पकड़ लिया गया। दोनों व्यक्तियों से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम,पिन्टू निषाद पुत्र केशव निषाद निवासी रामनगर थाना खुटहन जनपद जौनपुर, प्रमोद नाविक पुत्र कालूराम निवासी रामनगर थाना खुटहन जनपद जौनपुर बताएं। दोनों की तलाशी ली गई तो मौके से प्लास्टिक की बोरी में 08 पैकेट गांजा, 03 मोबाइल, अपाचे मोटरसाइकल व 3500 नकदी बरामद हुई। बरामद गांजा का वजन तौलने कुल वजन 08 किलोग्राम पाया गया। पिंटू निषाद से कड़ाई से

पूंछताछ की गई तो बताया गया कि अपने घर के बाहर करकट में भूंसे के अन्दर 04 बड़े बोरे में और गांजा रखा हूं। मौके पर पुलिस बल पहुँच कर पिंटू निषाद के घर से गांजे की 04 बोरी व 01 खुले हुए बोरे से 07 पैकेट गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजा का वजन 01 कुंतल 32 किलोग्राम पाया गया।। गिरफ्तारशुदा आरोपीगण उपरोक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 28/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये समक्ष मा0 न्यायालय भेजा जा रहा।

ट्रेलर की चपेट में आने से साइकिल सवार छात्र की मौत

- स्कूल से प्रवेश पत्र लेकर घर जाने के दौरान हुआ हादसा
- पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत जौनपुर मुख्य मार्ग स्थित अक्खन सराय गांव के समीप सड़क दुघर्टना में ट्रेलर की चपेट में आने से साइकिल सवार एक हाई स्कूल के छात्र की कुचलने से मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रेलर समेत फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षेत्र के सबरहद गांव निवासी 15 वर्षीय आशुतोष भारती पुत्र केशव प्रसाद शाहगंज सेंट थॉमस इंटर कालेज का हाई स्कूल का छात्र था। बुधवार की सुबह बोर्ड परीक्षा के लिए कालेज आया हुआ था। कालेज से अपना प्रवेश पत्र लेकर साइकिल से घर जा रहा था कि जौनपुर मुख्य मार्ग स्थित अक्खन सराय गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर ने छात्र को रौंदते हुए मौके से फरार हो गया। जिसमें मौके पर ही आशुतोष की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दें शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विश्व यूनानी डे पर लगा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला रिजवी खां में स्थित शाही अटाला मस्जिद के पूर्वी द्वार पर विश्व यूनानी डे के अवसर पर बुधवार को जौनपुर यूनानी डॉक्टर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में स्वर्गीय डॉ. अख़्तर सईद की याद में सुबह 11 बजे से लेकर 2 बजे तक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में हजारों मरीजों ने अपना इलाज करवाया।

जिसमें खांसी बुखार और अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को निःशुल्क दवाइयां दी गईं। साथ ही तीन सौ से अधिक लोगों की जांच भी निःशुल्क की गई। इसमें ब्लड शुगर टेस्ट,कॉलेस्ट्रॉल और थाइराइड की जांच की गई। डॉ.सरफराज खान चेयरमैन प्रतिनिधि नगर पंचायत जफराबाद ने शिविर का उद्घाटन कर मरीजों का हालचाल लिया। और इस पहल को पुण्य का कार्य बताया। और साथ ही हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। वहीं डॉ.शमीम अहमद,समेत डॉ.दानिश खान,डॉ.मोहम्मद राशिद खान व अन्य डॉक्टरों ने मरीजों का मुफ्त इलाज किया। अध्यक्ष डॉ. शमीम अहमद ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के बीच यूनानी चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता के बारे में जागरूकता फैलाना है तथा इसके माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवन जीने में मदद करना है। इस अवसर पर संयोजक डॉ.मोहम्मद दानिश, अध्यक्ष डॉ.शमीम

अहमद, सेक्रेटरी डॉ.मोहम्मद राशिद, डॉ.मोहम्मद अंजार, डॉ.ओसामा, डॉ.खालिद अफजल, डॉ.एके हारिस, डॉ.आजमुद्दीन, डॉ.मोहम्मद आजाद, डॉ.नदीम हसन, डॉ.अन्जर, डॉ.दानिश, डॉ.मिस्कात डॉ.खालिद, डॉ.अजमुद्दीन, डॉ.मोहम्मद असद, डॉ.मोहम्मद इरफान, डॉ.मोहम्मद शमशुज्जमा, डॉ.आसिफ नदीम, डॉ.मोहम्मद शाहनवाज, डॉ.मोहम्मद फैसल नसीम, डॉ.मोहम्मद अदनान, डॉ.मोहम्मद अय्यूब, डॉ.मोहम्मद अकदस, डॉ.मोहम्मद तबरेज, डॉ.हुमैरा स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ.मोहम्मद दानिश खान उपस्थित रहें।

विश्व यूनानी डे अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र के साथ साथ सामाजिक कार्य में अच्छा योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार रियाजुल हक अध्यक्ष लावारिश शव इंतजामिया कमेटी,डॉ. इम्तियाज अहमद उप-सम्पादक उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक,वरिष्ठ उपाध्यक्ष लावारिश शव इंतजामिया कमेटी, शब्बीर हैदर अम्मार सम्पादक शहर गांव दर्पण समाचारपत्र आदि अंत में सचिव डॉ.मोहम्मद राशिद खान ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

बदमाशों ने दवा व्यापारी से धमकाकर की छिनैती

तीन दिन बितने के बाद भी बदमाश पुलिस की पकड़ से बाहर

मुफ्तीगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली के खड़हर डगरा बाजार में विश्वकर्मा मेडिकल स्टोर्स पर बदमाशो द्वारा चढ़ कर धमकी देते हुए गले से सोने की चैन व दराज में रखा दस हजार रुपए लेकर चम्पत हो गये तीन दिन बीत जाने पर भी बदमाश पुलिस के पकड़ से बाहर है मुर्तजाबाद निवासी मनोज विश्वकर्मा का खड़हर डगरा बाजार में विश्वकर्मा मेडिकल स्टोर्स के नाम से फुटकर दवा की दुकान चलाता है सात फरवरी को शाम साढ़े छः बजे दो बदमाश मुह बाध कर आये धमकाते हुए जबरजस्ती काऊन्टर के दराज में रखी हुई बिक्री का पैसा और गले से सोने की चैन छीन लिया दवा ब्यवसायी द्वारा शोर मचाने पर जब तक सब लोग इक्ट्ठा होते तब तक बदमाशो ने जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये सुचना पर 112 पी आर बी केराकत सी ओ केराकत कोतवाल मौके पर पहुंच कर अस्वासन दिया था कि जल्द ही बदमाशो को पकड़ लिया जायेगा लेकिन तीन दिन बीत गया बदमाश पुलिस के पकड़ से बाहर है पुलिस केवल हवा में हाथ पैर मार रही है।

नेवढ़िया में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो की मौत, एक की हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेवढ़िया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बारात से लौटते समय कठीराव में बरात से लौटते समय बाइक सवार तीन लोग अचानक अनियंत्रित होकर खड़ी ट्रक में जा भिड़े, जिससे मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। मृतकों में अरुण पटेल उम्र लगभग 35 साल और कौशल पटेल उम्र 40 साल है जबकि गंभीर रूप से घायल विनोद पटेल पुत्र स्वर्गीय अमरनाथ का इलाज भदोही के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। हादसे से मृतकों के घर पर कोहराम मचा हुआ। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बलिया: कार की टक्कर में बाइक सवार दो की आन स्पॉट मौत

बलिया (उत्तरशक्ति)। गड़वार थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदपुर चट्टी के समीप कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गड़वार थाना पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के गांव के लोग स्तब्ध रह गये। वहीं, घर-परिवार में करुण- क्रदन व चीत्कार मच गया। बताया जा रहा है कि सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के पंदह निवासी प्रमोद कुमार राय (35) पुत्र रामसिंगर राय तथा अनंत राय (49) पुत्र अवधेश राय मंगलवार की देर रात किसी कार्यक्रम में शामिल होकर फेफना गड़वार मार्ग होते हुए अपने गांव लौट रहे थे। अभी वे गड़वार थाना क्षेत्र के चांदपुर चट्टी के समीप पहुंचे थे, तभी आई -10 कार ने टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइकर्स दूर-दूर जा गिरे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर सत्र 2025-26 का खेल महोत्सव प्रारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेल महोत्सव के पहले दिन अंतर संकाय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न कराई गई। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्राचार्य, प्रो. राम आसरे सिंह रहे, इस प्रतियोगिता में कुल 6 संकायो के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बालक और बालिका वर्ग में बालिका वर्ग में विजेता कला संकाय रही और उपविजेता विज्ञान संकाय और तृतीय स्थान कृषि संकाय ने प्राप्त किया और बालक वर्ग में भी विजेता कला संकाय रही साथ ही उपविजेता वाणिज्य संकाय तथा तृतीय स्थान विज्ञान संकाय ने प्राप्त किया। समापन पर सभी विजयी खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक, रजत पदक और कांस्य पदक के द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि प्राचार्य, प्रो. राम आसरे सिंह ने अपने उद्बोधन में खेल की महत्ता को बताया साथ ही छात्र जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेल के उपयोगिता और उससे होने वाले शारीरिक मानसिक और सामाजिक लाभ को इंगित किया। छात्रों को खेल के द्वारा होने वाले लाभ को उसके व्यक्तित्व, कुशलता और एकाग्रता पर पड़ने वाले प्रभाव को बताते हुए उन्हें पढ़ाई के साथ साथ अन्य तरह के क्रियाकलापों में भी सहभागिता करने का सुझाव दिया और सभी छात्रों को भविष्य में सफलता की शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता प्रोफेसर शेखर सिंह सचिव, खेलकूद परिषद की देखरेख में संपन्न कराई गई। साथ ही सभी संकाय के प्राध्यापक ने अपने उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें प्रोफेसर माया सिंह, प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह, डॉ॰विपिन कुमार सिंह ,डॉ अवनीश कुमार, डॉ विशाल सिंह, डॉक्टर अवनीश कुमार सिंह, डॉ॰ संजीव सेन सिंह, डॉ नरेन्द्र पाठक, प्रोफेसर राजदेव दुबे, डॉ प्रशांत कुमार पाण्डेय, डॉ. नागेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगायेंगे : कुंवर अनुपम सिंह

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का पूरा प्रयास किया जायेगा। इसके लिए पत्रकारों एवं आम जन का पूरा सहयोग अपेक्षित है। उक्त बातें नवागत पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहाकि नगर में जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस का समुचित उपयोग किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहाकि समाज में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रबुद्ध लोगों को भी आगे आना पड़ेगा। पत्रकारों के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहाकि नगर स्थित एक मोबाइल फोन की दुकान पर दो पुलिस कर्मियों द्वारा चोरी किए जाने का प्रकरण संज्ञान में आया है। इसमें संलिप्त पुलिस कर्मियों को निलंबित किया जा चुका है। उनके ऊपर विभागीय कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहाकि कोई भी समस्या आने पर आधी रात में भी फोन आयेगा तो उसे संज्ञान में लेकर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। पुलिस अधीक्षक ने वार्ता में उपस्थित समस्त पत्रकारों से उनका परिचय प्राप्त किया।

योगी सरकार का बजट: छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा के लिए 22167 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। उच्च शिक्षा के लिए 6195 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। छात्राओं को 400 करोड़ से स्कूटी दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के भंडारण के लिए 150 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। नवीन गोदामों के लिए 25 करोड़ की योजना प्रस्तावित की जा रही है। यूपी में करीब 29 लाख हेक्टेयर पर गन्ना उत्पादन किया गया। 44 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण किया गया। बेसराहा पशुओं के सरंक्षण के लिए 7497 गोशालाएं चल रही हैं। इनमें 12 लाख 38 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित हैं।

किसना ने दरभंगा में एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ, वैलेंटाइन वीक पर विशेष ऑफर्स की घोषणा

दरभंगा (उत्तरशक्ति)। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने बिहार के दरभंगा में अपने 15वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। मिर्जापुर स्टेशन रोड स्थित इस शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया एवं दरभंगा एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर संतोष कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस शुभ अवसर और वैलेंटाइन वीक के जश्न को खास बनाने के लिए किसना ने विशेष लॉन्च ऑफर्स की घोषणा की। इसके तहत डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज में प्रति 5 ग्राम तक 5,000 की छूट तथा प्रति ग्राम तक 1,000 की छूट दी जा रही है, जिससे प्यार और तोहफों का यह मौसम और भी खास बन गया है। शोरूम लॉन्च के साथ ही किसना ने अपनी विशेष वैलेंटाइन डे कलेक्शन भी पेश की, जिसमें प्रेम, आत्म-अभिव्यक्ति और उपहार देने की भावना को दशार्ते हुए समकालीन और आकर्षक डिजाइनों को शामिल किया गया है। इस कलेक्शन में हल्के और स्टाइलिश आभूषण शामिल हैं, जो रोजमर्रा के उपयोग के साथ-साथ खास मौकों के लिए भी उपयुक्त हैं और आधुनिक ग्राहकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इस अवसर पर हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार हमारे रिटेल विस्तार की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और दरभंगा में हमारा यह शोरूम हर घर किसना के हमारे विजन की दिशा में एक और मजबूत कदम है। हमारी वृद्धि का आधार उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण, बदलती पसंद की समझ, पारदर्शिता और एक सहज एवं भरोसेमंद खरीदारी अनुभव है। दरभंगा एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर संतोष कुमार सिंह ने कहा कि हमें दरभंगा में किसना को लाने और यहां के ग्राहकों को ब्रांड की विशेष रूप से तैयार की गई कलेक्शन्स से परिचित कराने पर गर्व है। यह मौसम प्रेम को खास आभूषणों के माध्यम से मनाने का बेहतरीन अवसर है और हमें पूरा विश्वास है कि किसना की विश्वसनीय गुणवत्ता, आधुनिक डिजाइन और ग्राहक-केंद्रित अनुभव को शहर में भरपूर सराहना मिलेगी।

ओप्पो ने भारत में के14एक्स 5जी लॉन्च किया

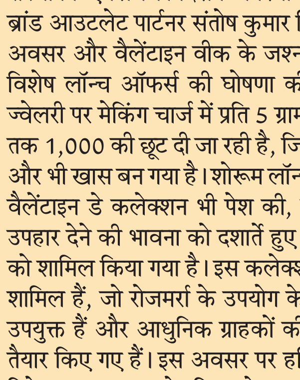

पटना(उत्तरशक्ति)। ओप्पो ने भारत में ओप्पो के14एक्स 5जी के लॉन्च के साथ अपनी के-सीरीज की मजबूत विरासत को आगे बढ़ाया। यह स्मार्टफोन पॉवर, परफॉर्मेंस और स्मूथनेस के लिए डिजाईन किया गया है। विद्यार्थियों, नौकरी की शुरूआत करने वालों, गेमर्स और किफायत पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए बनाया गया ओप्पो के14एक्स 5जी भारी उपयोग के साथ भी लंबे समय तक चलता है। ओप्पो के14एक्स 5जी के 4जीबी प्लस 128जीबी वैरिएंट का मूल्य 14,999 रुपये और 6जीबी प्लस 128जीबी वैरिएंट का मूल्य 16,999 रुपये है। यह 16 फरवरी, 2026, दोपहर 12 बजे से ओप्पो ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होगा। यह दो रंगों, आईसी ब्लू और प्रिज्म वॉयलेट में आएगा। ओप्पो के14एक्स 5जी की प्रि-बुकिंग शुरू हो गई है। सेल के दिन इस स्मार्टफोन के 4जीबी और 6जीबी वैरिएंट्स पर 1,500 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट और चुनिंदा बैंक ऑफर दिए जा रहे हैं। इसके साथ 3 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई भी मिल रही है। इस प्रकार सेल के दिन ये स्मार्टफोन क्रमशः 13,499 रुपये और 15,499 रुपये में उपलब्ध होंगे। गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा, ओप्पो के सीरीज भारत में लाखों ग्राहकों को बहुत पसंद आई है। यह किफायती मूल्य में लगातार विश्वसनीय परफॉर्मेंस, लंबे समय तक पॉवर और स्मूथ दैनिक अनुभव प्रदान करती है।

सर्वियर ने भारत में एक वैश्विक प्लेटफॉर्म गैटिन स्थापित करने की घोषणा की

मुंबई। फाउंडेशन द्वारा संचालित स्वतंत्र फ्रांसीसी फार्मास्युटिकल समूह सर्वियर ने भारत में एक वैश्विक प्लेटफॉर्म गैटिन स्थापित करने की घोषणा की है। यह प्लेटफॉर्म भागीदारों के साथ मिलकर कार्डियोमेटाबॉलिक और वेनस रोगों के लिए सिंगल पिल कॉम्बिनेशन के विकास, निर्माण और निर्यात पर काम करेगा। इस प्लेटफॉर्म का लक्ष्य सिंगल पिल कॉम्बिनेशन के माध्यम से उपचार को सरल बनाना है।

इससे मरीजों द्वारा दवाइयों के नियमित सेवन में सुधार होगा और लंबे समय में बेहतर परिणाम मिलेंगे। यह पहल सर्वियर की '2030 महत्वाकांक्षा' का हिस्सा है, जिसके तहत नवाचार को गति देना और मरीजों की जरूरतों के अनुसार समाधान देना शामिल है–खासकर उन गंभीर बीमारियों में जहाँ दवाइयों का नियमित सेवन एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। गैटिन के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ. क्षितिज पांसे ने कहा, गैटिन सर्वियर की उस रणनीति का हिस्सा है जो मरीजों की अधूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार को तेजी से आगे बढ़ाती है। यहाँ 'GATI' का अर्थ गति, स्पीड से है और 'INN' भारत में इनोवेशन को दर्शाता है। एक समर्पित स्थानीय टीम और चुनिंदा भागीदारों के साथ मिलकर हम सर्वियर की वैश्विक रिसर्च, निर्माण और गुणवत्ता विशेषज्ञता का उपयोग कर रहे हैं।

हम ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाले सिंगल पिल कॉम्बिनेशन तैयार करेगा, जिससे दुनिया भर के मरीजों के लिए इलाज आसान और प्रभावी होगा।

सर्वियर वर्ष 2026 में गैटिन में लगभग 15 मिलियन यूरो निवेश करने की योजना बना रहा है। इस पहल के तहत भारतीय भागीदारों के साथ मिलकर विशिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले सिंगल पिल कॉम्बिनेशन विकसित किए जाएंगे। गैटिन प्लेटफॉर्म विकास, निर्माण, सप्लाई चेन और गुणवत्ता की निगरानी एक ही केंद्र (भारत) से करेगा। दवाओं का निर्माण चुनिंदा भारतीय सीडीएमओ भागीदारों द्वारा किया जाएगा, जबकि सक्रिय दवा सामग्री सर्वियर की अपनी इकाइयों से ली जाएगी, जहाँ सर्वियर स्वयं मूल निमार्ता है।

स्वाधीन सिंह हत्याकांड में पुलिस पर गंभीर आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर के बहुचर्चित स्वाधीन सिंह हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर बुधवार को सड़कों पर भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। जनता की अदालत के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करने निकले पीड़ित परिवारों को जब प्रशासन ने रोकने की कोशिश की, तो मामला और भी गर्मा गया। विद्यावती रिसॉर्ट से लेकर तहसील मुख्यालय तक घंटों चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे ने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय हिंदू मित्र परिषद के अध्यक्ष और सोशल एक्टिविस्ट अरविंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में बुधवार को विद्यावती रिसॉर्ट में जनता की अदालतश का भव्य आयोजन होना था। इसकी तैयारी पिछले कई दिनों से चल रही थी। पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम शुरू होने से ऐन पहले रिसॉर्ट के लॉन में ताला जड़ दिया और आयोजन पर रोक लगा दी। पुलिस का तर्क था कि इस आयोजन के लिए प्रशासन से अग्रिम वैधानिक अनुमति नहीं ली गई थी। भारी पुलिस बल की तैनाती के कारण रिसॉर्ट परिसर किसी छावनी जैसा नजर आने लगा। कार्यक्रम रुकने से आक्रोशित पीड़ित पक्ष ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। परिजनों ने सीधे तौर पर बदलापुर कोतवाल शेषनाथ शुक्ला, एसओजी प्रभारी त्रिवेणी सिंह और सीओ बदलापुर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस के इन अधिकारियों ने विपक्षी पक्ष से मोटी रकम लेकर मामले की जांच को प्रभावित किया है और निर्दोष बच्चों को गलत तरीके से केस में फंसाया है। प्रशासन न्याय देने के बजाय हमारी आवाज दबाने में जुटा है।

फिलिप मॉरिस इंडिया ने अवैध तंबाकू व्यापार को प्रतिबंधित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया

मुंबई। एंटी-स्मगलिंग डे के अवसर पर फिलिप मॉरिस इंडिया ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (फॉर्मली आईपीएम इंडिया होलसेल ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड) (पीएम इंडिया) ने सिगरेट के अवैध व्यापार को रोकने के लिए निरंतर सामूहिक कार्रवाई और सरकार के सहयोग का आह्वान किया है। इससे अवैध तम्बाकू उत्पादों के कारोबार को रोकने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। सिगरेट का अवैध व्यापार एक गंभीर चुनौती है, जिस पर सभी हितधारकों द्वारा तुरंत ध्यान दिए जाने और मिलकर ठोस कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। औद्योगिक लीडर्स को सिगरेट का अवैध कारोबार रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। भारत सरकार (जीओआई) ने प्रवर्तन की मशीनरी को मजबूत बनाने के लिए ट्रैक एंड ट्रेस (टी एंड टी) प्रणाली शुरू की है, जिससे कानूनी अधिकारी अवैध और वैध उत्पादों में अंतर करने में समर्थ बने हैं। अब यह जरूरी हो गया है कि अवैध सिगरेट के कारोबार के व्यापक नतीजों पर भी गौर किया जाए। द वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन्स ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे और अन्य मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में सिगरेट का सेवन करने वाले अनुमानित 267 मिलियन व्यस्क हैं। इसलिए भारत अवैध सिगरेट के लिए दुनिया का चौथा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है। यहाँ पर घरेलू सिगरेट उद्योग में तस्करी करके लाए गए सिगरेट का हिस्सा एक चौथाई है। 22 जुलाई, 2025 को लोकसभा में एक गैरतारांकित सवाल के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा दिए गए जवाब के मुताबिक कस्टम्स फील्ड फॉर्मेशन्स और डीआरआई ने जून 2025 तक वित्तवर्ष में लगभग 3.93 करोड़ सिगरेट जब्त किए। ये ऑपरेशन इस समस्या की गहराई प्रदर्शित करते हैं, जिसमें अक्सर तस्करी की जटिल तकनीकें और कई देशों में फैला अपराधिक नेटवर्क शामिल होता है। पीएम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, नवनीत कर ने कहा, अवैध कारोबार वैध व्यवसायों को दीमक की तरह खा जाता है। इससे सरकारी खजाने को राजस्व का नुकसान होता है। ग्राहक अवैध और हानिकारक उत्पादों के संपर्क में आते हैं। भारत में अवैध तम्बाकू उत्पादों के खिलाफ संगठित लड़ाई की जरूरत बढ़ती जा रही है क्योंकि यह देश दुनिया में तम्बाकू के सबसे बड़े बाजारों में से एक है। दूसरी तरफ, यहाँ पर धूम्रपान करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी निवास करती है।

टाई नाले का निर्माण कार्य धीमी रफ्तार से जारी, राहगीरों को झेलनी पड़ रही भारी परेशानी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र अंतर्गत औरी गांव के पास जौनपुरझगाजीपुर खुज्झी मार्ग पर स्थित टाई नाले की पुलिया टूटने के बाद से चल रहा निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा लगभग दो वर्षों से मरम्मत व पुनर्निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन कार्य की धीमी प्रगति के चलते राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद नीचे से आवागमन को लेकर यातायात व्यवस्था शुरू की गई है। अस्थायी व्यवस्था के तहत वाहनों को संकरे रास्ते से निकाला जा रहा है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। खासकर सुबह और शाम के समय स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और व्यापारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद धीमी है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। कीचड़ और जलभराव के कारण दोपहिया वाहन चालकों को फिसलन का खतरा बना रहता है, वहीं पैदल चलने वालों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

व्यापारियों का कहना है कि जौनपुरझगाजीपुर मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन लगभग हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ऐसे में निर्माण कार्य में हो रही देरी से आम जनता के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने एनएचएआई और संबंधित विभाग से मांग की है कि निर्माण कार्य को तेज गति से पूर्ण कराया जाए तथा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। फिलहाल क्षेत्रीय जनता को उम्मीद है कि संबंधित विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही पुलिया निर्माण कार्य पूर्ण कराएगा, जिससे आवागमन सुचारु रूप से बहाल हो सके।

महाशिवरात्रि को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में शांति समिति के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ॰ दिनेश चंद्र की अध्यक्षता एवं नवागत पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में शांति समिति के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम समिति के सदस्यों के द्वारा नवागत पुलिस अधीक्षक जी को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर जनपद के समस्त शिवालयों एवं प्रमुख मंदिरों पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने निर्देश विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अधीक्षण अभियंता अनुपस्थित रहे जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वेतन बाधित करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित किया कि मिलावट न हो इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम किए जाए। प्रतिबंधित माझा बेचने वालों पर कड़ी कार्यवाही और प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने सभी ईओ को नगर निकायों के मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक के द्वारा बताया गया कि पुलिस विभाग के द्वारा शिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु कटिबंध है, विभाग के तरफ से सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने शोभायात्रा के दौरान डीजे संचालकों को शासन के द्वारा जारी निदेर्शों और मानको के अनुरूप डीजे संचालन के लिए निर्देशित किया, इसके लिए डीजे संचालकों की पृथक बैठक कर उन्हें जागरूक करने हेतु भी निर्देशित किया गया।

उन्होंने सभी मंदिरों में सीसीटीवी व्यवस्था संचालित करने के लिए निर्देश दिया, इसके साथ ही मंदिरों में प्रवेश और निकासी के अलग-अलग द्वारा बनाए जाने हेतु भी कहा। बैठक में अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्य, कजगांव फिरोज खान, अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ट, आपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मोबाइल ओटीपीसे होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकेगा एयरटेल का फ्रॉड अलर्ट फीचर

मुंबई। एयरटेल ने स्पैम की समस्या से निपटने के अपने लगातार प्रयासों के तहत आज अपना नया अक -पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च किया है। यह फीचर ग्राहकों को OTP (वन-टाइम पासवर्ड) से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड से रियल-टाइम में सुरक्षित रखने में मदद करेगा।

आजकल धोखेबाज डिलीवरी, कस्टमर सपोर्ट या अन्य रोजमर्रा की सेवाओं का बहाना बनाकर ग्राहकों पर जल्दबाजी का दबाव बनाते हैं और उनसे बैंकिंग ट्रांजैक्शन से जुड़ा OTP साझा करवा लेते हैं। जैसे ही OTP साझा किया जाता है, ग्राहक के बैंक खाते में जमा राशि धोखाधड़ी के खतरे में पड़ जाती है। एयरटेल का नया अक-पावर्ड सिस्टम ऐसी संदिग्ध परिस्थितियों की पहचान कर ग्राहकों को समय रहते सचेत करता है।

जब किसी संभावित जोखिम भरी इनकमिंग कॉल के दौरान बैंक द्वारा भेजा गया OTP डिटेक्ट होता है, तो एयरटेल तुरंत फ्रॉड अलर्ट के जरिये ग्राहक को चेतावनी देता है कि कॉल पर रहते हुए बैंकिंग ट्रांजैक्शन का OTP साझा करना जोखिम भरा हो सकता है।

अक की इंटेलिजेंस और मानवीय सूझबूझ का यह प्रभावी संयोजन ग्राहकों को सोचने, परखने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समय देता है, जिससे स्कैमर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सुरक्षा अंतर को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा, हम एयरटेल को एक सुरक्षित नेटवर्क बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। इस दौरान हमने महसूस किया है कि डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित रखने में OTP की अहम भूमिका होने के बावजूद, अपराधी अलग-अलग तरीकों से इसकी उपयोगिता को कमजोर कर रहे हैं। इसी को देखते हुए हमें एयरटेल के नेटवर्क स्तर पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसे बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है।

कम्प्यूटर शिक्षा से होगा बच्चों का सर्वांगीण विकास : कृष्ण कुमार मिश्र

सुल्तानपुर। विकास खण्ड स्थित इसरावती देवी पीजी कॉलेज, कम्मरपुर करौंदी कला के प्रबंधक वीरेन्द्र मिश्र द्वारा महाविद्यालय में आयोजित विकास खण्ड के शिक्षकों के सम्मान समारोह एवं प्राथमिक विद्यालय कम्मरपुर के बच्चों को कंप्यूटर में दक्षता प्राप्ति के लिए कंप्यूटर प्रदान किए जाने का शुभारंभ मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार मिश्र द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप दीप प्रज्ज्वलित किया गया।प्रबंधक द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी पूर्व अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष राम शब्द पाठक अखिलेश सिंह मंत्री मिथिलेश यादव एआरपी राज केशर मिश्र नीरज तिवारी रवीन्द्र प्रसाद पूर्व एआरपी प्रदीप नारायण झा अशोक पाण्डेय शिक्षक संकुल विजय कुमार गुप्ता,लोकेश प्रताप सिंह, विवेक नारायण झा ,मनोज रंजन अनिल सिंह नीतीश स्वामी यादव एवं चन्द्र प्रताप यादव अखिलेश प्रताप सिंह पंकज मिश्र सुरेन्द्र प्रताप यादव देवेश सिंह अजय कुमार बृजेश यादव को प्रबन्धक वीरेन्द्र मिश्र द्वारा माल्यार्पण एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए प्राथमिक विद्यालय कम्मरपुर के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार को एक सेट कम्प्यूटर भेंट किया गया।खण्ड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार मिश्र ने सम्मान समारोह एवं कंप्यूटर के सम्बन्ध में प्रबन्धक की प्रशंसा संबोधित करते हुए कहा कि आप द्वारा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा से बच्चों का सर्वांगीण विकास के प्रति जो योगदान प्रदान किया गया हैं,बेसिक शिक्षा के लिए अविस्मरणीय है। पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रबन्धक द्वारा ग्रामीणांचल में महा विद्यालय की स्थापना से शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन एवं बेसिक शिक्षक सम्मान एवं कंप्यूटर प्रदान करना हमारे लिए गौरव की बात है।उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि आप सदैव विद्यालय का विकास करते रहे,आपका विद्यालय एवं समाज के प्रति सकारात्मक सोच सराहनीय है।इससे शिक्षा की दिशा एवं दशा बदल जाएगा।प्रबन्धक वीरेन्द्र मिश्र ने खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं समाज के सबसे महत्वपूर्ण विवेकशील शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना समाज का धर्म है,मैं सदैव बेसिक से लेकर उच्च शिक्षा तक छात्रों के प्रति सजग रहता हूं।शीघ्र ही विकास खण्ड के समस्त शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित करते हुए सम्मानित किया जाएगा,साथ ही साथ उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्मरपुर में कंप्यूटर शिक्षा में दक्ष करने के उद्देश्य से विद्यालय को कंप्यूटर से सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक मीडिया प्रभारी केसी मिश्र द्वारा किया गया।

सैमसंग इंडिया ने शोस्टॉपर कैमरा, अल्ट्रा स्मूद डिस्प्ले और प्रीमियम लेदर डिजाइन के साथ लॉन्च किया गैलेक्सी F70e 5G

गुड़गांव। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी F70e 5G को लॉन्च किया है। यह नई गैलेक्सी F70 सीरीज का पहला स्मार्टफोन है, जिसे खासतौर पर युवा जेन जी यूजर्स के लिए बनाया गया है। इसमें बेहतरीन कैमरा अनुभव, अल्ट्रा स्मूद डिस्प्ले और प्रीमियम लेदर फिनिश दी गई है, ताकि रोजाना क्रिएट करने, शेयर करने और खुद को एक्सप्रेस करने वाले युवा इसे पसंद करें। अक्षय एस. राव, डायरेक्टर, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, नया गैलेक्सी F70e 5G सैमसंग की उस मजबूत सोच को दिखाता है कि हम अपने पैसे को महत्व देने वाले युवाओं को ऐसे नए-नए फीचर्स देकर आगे बढ़ने में मदद करना चाहते हैं। इस फोन में अपने सेगमेंट का सबसे अच्छा कैमरा है, जो बहुत तेज और साफ पोर्ट्रेट फोटो खींचता है। साथ ही 120Hz का स्मूद डिस्प्ले है और पीछे प्रीमियम लेदर जैसा खूबसूरत फिनिश है। गैलेक्सी F70e 5G हमारे एनर्जी से भरपूर जेन जी दोस्तों की बड़ी-बड़ी चाहतों और सपनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हम बहुत खुश हैं कि इसे भारत के लोगों तक ला रहे हैं और इससे स्मार्टफोन की दुनिया में सैमसंग के भरोसेमंद ब्रांड को और भी मजबूत कर रहे हैं। गैलेक्सी F70e 5G में ऐसा कैमरा सिस्टम है जो शेयर करने लायक कंटेंट बना सकता है। इसमें 50MP का हाई-रेजोल्यूशन मेन कैमरा है, जो लैंडस्केप, सूर्यास्त, सड़क के नजारे और कैंडिड फोटोज को बहुत डिटेल और खूबसूरत रंगों के साथ कैप्चर करता है। मेन कैमरा में f/1.8 अपर्चर और सेकेंडरी डेप्थ कैमरा मिलकर नैचुरल बोकेह इफेक्ट देते हैं यानी सब्जेक्ट शार्प रहता है और बैकग्राउंड हल्का ब्लर हो जाता है। इससे किसी भी लाइट में बेहतरीन पोर्ट्रेट बनते हैं। इसमें नाइट मोड की मदद से कम रोशनी में भी ब्राइट और डिटेल वाली तस्वीरें आती हैं। साथ ही, तेज धूप या रोशनी वाली रात की तस्वीरों में बैलेंस्ड एक्सपोजर मिलता है, लाइट फ्लेयर कम होता है और डिटेल बरकरार रहती है। 8MP का फ्रंट कैमरा सेल्फी और वीडियो कॉल को क्लियर और चमकदार बनाता है। सोशल मीडिया यूजर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए यह कैमरा सिस्टम कहीं भी हाई-क्वॉलिटी कंटेंट बनाने में मदद करता है।

ईरानी डेरे पर एमपी के 400 पुलिसकर्मियों की दबिश, 1.30 लाख का ईनामी शहादत पकड़ा गया

भोपाल। राजधानी पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की रात दो बजे जब शहर गहरी नींद में था, तब निशातपुरा स्थित अमन कालोनी के ईरानी डेरे को चारों ओर से घेर लिया। यह पुलिस के ऑपरेशन ईरानी डेरा 2.0 की शुरूआत थी। घरों में तलाशी शुरू होते ही वहां छिपे बदमाशों में भगदड़ मच गई। कोई छत के रास्ते कूदकर भागा, तो किसी को उसकी पत्नी ने संदूक में छिपा लिया, कोई बाथरूम में खुद को बंद कर सुरक्षित होने की कोशिश करने लगा। करीब तीन घंटे तक 50 से अधिक घरों में चली तलाशी और खोजबीन के बाद पुलिस ने यहां से आठ महिलाओं सहित 39 लोगों को गिरफ्तार किया। इसमें से एक बदमाश शहादत हुसैन उर्फ शादाब भी है, जिस पर पुलिस ने एक लाख 30 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। उस पर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में 2024 में हुई एक लूट में शामिल होने का आरोप है। प्रतापगढ़ कोतवाली थाने में मामला दर्ज होने के बाद उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित हुआ है। उसने 2021 में राजगढ़ के खुजनेर, खिलचीपुर और छापहेड़ा में भी धोखाधड़ी और लूट की वारदातें की थीं। इन मामलों में भी वह फरार था। राजगढ़ पुलिस ने तीनों मामलों में अलग-अलग 10-10 हजार रुपये के इनाम घोषित कर रखे हैं। डेरे से पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से 17 दो पहिया वाहन, 650 ग्राम सोने और 250 ग्राम चांदी के आभूषण मिले हैं। पुलिस ने आरोपितों को बुधवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस ने यहां से महिला गांजा तस्कर नाजमा पति हबीब अली को भी गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया। उसके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अलग से कार्रवाई की जा रही है। ईरानी डेरे पर इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। इससे पहले 27-28 दिसंबर की रात में 150 पुलिसकर्मियों ने ईरानी डेरे पर दबिश देकर 32 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इनमें से दस आरोपित फर्जी दस्तावेजों पर जमानत पाकर बाहर आ गए थे। जोन-4 डीसीपी मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में 400 पुलिसकर्मियों ने अभियान को अंजाम तक पहुंचाया। दो एडिशनल डीसीपी, नौ एसीपी और 16 थाना प्रभारी इसमें लगे। पुलिस की दस टुकड़ियों में बांटकर एसीपी और थाना प्रभारियों को नेतृत्व सौंपा गया। प्रत्येक टीम ने चार से पांच घरों की तलाशी ली। जो छतों के रास्ते भागने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें पकड़ने के लिए कालोनी के चारों ओर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इस अभियान के लिए सोच-समझकर मंगलवार की रात का समय चुना गया था। प्रत्येक मंगलवार को पुलिस के सभी थानों की संयुक्त टीम कांबिंग गश्त पर होती है। यह सामान्य प्रक्रिया है। पहले से तैयार पुलिस फोर्स को अफसरों ने एक इशारे पर ईरानी डेरे की ओर मोड़ दिया। जब तक बदमाशों को इस छापे की खबर होती, वे पूरी तरह घिर चुके थे। यह वही अमन कॉलोनी है, जहां पिछले कई महीनों से दूसरे राज्यों की पुलिस टीमें आरोपितों की तलाश में पहुंचती रही हैं। हर बार के स्थानीय लोगों की एकजुटता के चलते आरोपित बच निकलते थे। पुलिस कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोग बाधा डालकर बदमाशों को भगा देते हैं। इसकी वजह से स्थानीय और पुलिस की छोटी टीम यहां घुस तक नहीं पाती। देशभर में वारदातें करने के बाद आरोपितों के ईरानी डेरे में छुपे होने की सूचना बार-बार मिल रही थी। उनको दबोचने के लिए यह अभियान चलाया गया था। - **संजय कुमार, पुलिस आयुक्त, भोपाल**

सेफर इंटरनेट डे पर सुरक्षित डिजिटल उपयोग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बलरामपुर। सेफर इंटरनेट डे पर आईटीआई बिशुनपुर विश्राम पचपेडवा, बलरामपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुरक्षित और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जगरूकता फैलाना रहा। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, केशव द्वारा कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्टाफ को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, साइबर बुलिंग तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि डिजिटल युग में इंटरनेट जहां सुविधाओं का माध्यम है, वहीं लापरवाही इसके दुरुपयोग और नुकसान का कारण बन सकती है। इस अवसर पर अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, डॉ अमित कुमार गौतम ने बताया कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का बढ़ता उपयोग कई जोखिमों और दुरुपयोग की संभावनाओं को भी जन्म दे रहा है। जागरूकता फैलाने के लिए अकके दुरुपयोग के मुख्य पहलुओं और उनसे बचाव के तरीकों को समझना आवश्यक है। कोई भी संदिग्ध ई-मेल और संदेशों पर क्लिक न करें तथा किसी भी साइबर समस्या की स्थिति में संबंधित साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा https://cybercrime.gov.in/ पे संपर्क करें। आईटीआई संस्थान के प्रधानाचार्य मैथिलीशरण ने कहा कि सेफर इंटरनेट डे का उद्देश्य केवल जागरूकता नहीं, बल्कि एक सुरक्षित, सकारात्मक और जिम्मेदार डिजिटल संस्कृति का निर्माण करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग का संकल्प लिया। शिक्षक आशीष भूषण ने सभी से अपील की व मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा करने से बचें। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट रोलआउट मैनेजर सुशील सिंह, आलोक नाथ शुक्ला, सभी शिक्षक गण एवं विद्यार्थी गण मौजूद रहे।

भारत में समावेशी और मानसिक रूप से स्वस्थ कार्यस्थलों का निर्माण

मुंबई। कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और समावेश को अलग-अलग प्राथमिकताओं के रूप में नहीं देखा जा सकता। LGBTQIA+ कर्मचारियों के लिए, कल्याण का सीधा संबंध उनकी पहचान, अपनेपन के अहसास और काम पर अपनी वास्तविक पहचान के साथ रहने की क्षमता से है। प्रगतिशील संगठन अब यह समझने लगे हैं कि कार्यस्थल पर 'कल्याण' का अर्थ केवल सामान्य मानसिक स्वास्थ्य ढांचे तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें यह स्वीकार करना आवश्यक है कि लिंग, यौनिकता, अक्षमता या न्यूरोडायवर्सिटी जैसी विभिन्न पहचानें किस तरह एक कर्मचारी के अनुभवों को आकार देती हैं। क्वीर कर्मचारियों के लिए, इसकी शुरूआत मनोवैज्ञानिक सुरक्षा से होती है: यह आश्वासन कि उनके व्यक्तित्व के लिए उनके साथ कोई भेदभाव, पूर्वाग्रह या जजमेंट नहीं होगा। जब लोग सम्मानित महसूस करते हैं, तो तनाव का एक बड़ा कारण दूर हो जाता है, जिससे काम में बेहतर फोकस, आत्मविश्वास और जुड़ाव पैदा होता है।

हालांकि, समावेश कभी भी केवल दिखावटी नहीं होना चाहिए। प्रतीकात्मक संकेत या एक बार के अभियान पर्याप्त नहीं हैं। वास्तविक समावेश को रोजमर्रा के संगठनात्मक व्यवहार और नीतियों में रचा-बसा होना चाहिए। इसमें पार्टनर्स को स्वास्थ्य लाभ देना, LGBTQIA+ मुद्दों को समझने वाले मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों तक पहुंच प्रदान करना, जेंडर अफर्मेशन के इर्द-गिर्द स्पष्ट नीतियां बनाना और संवाद व शिकायत निवारण के लिए सुरक्षित माध्यम तैयार करना शामिल है। जब ऐसे कदम विचारपूर्वक उठाए जाते हैं, तो वे संकेत देते हैं कि संगठन वास्तव में कर्मचारी के कल्याण को महत्व देता है, न कि विविधता को केवल एक 'चेकलिस्ट' की औपचारिकता मानता है। संगठनों को कभी भी कर्मचारियों पर अपनी यौन प्राथमिकता या लैंगिक पहचान उजागर करने का दबाव नहीं डालना चाहिए। कई क्वीर कर्मचारी कार्यस्थल पर अपनी पहचान निजी रखते हैं, और उनकी गोपनीयता का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। सहायता प्रणाली और लाभ सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए, चाहे कोई अपनी पहचान सार्वजनिक करे या नहीं। समय के साथ, समावेशी नीतियां और सुरक्षित वातावरण कर्मचारियों को स्वयं के बारे में अधिक साझा करने का आत्मविश्वास दे सकते हैं, लेकिन वह चुनाव पूरी तरह से व्यक्तिगत होना चाहिए।

ईमामी हेल्दी एंड टेस्टी फ्रेश चक्की आटा ईमामी एग्रोटेकट ने बिहार और झारखंड के ब्रांडेड स्टेपल्स बाजार में प्रवेश किया

कोलकाता। ईमामी एग्रोटेक लिमिटेड, रु. 30,000 करोड के ईमामी ग्रुप की रु. 20,000 करोड़ की खाद्य तेल, खाद्य और बायो-डीजल उत्पादन कंपनी है। इस संस्था ने आज ईमामी हेल्दी एंड टेस्टी फ्रेश चक्की आटा, मैदा, सूजी और बेसन को पेश करते हुए बिहार और झारखंड के ब्रांडेड स्टेपल्स बाजार में अपने प्रवेश की घोषणा की है। इस कंपनी ने ब्रांडेड स्टेपल्स कैटेगरी के जरिये रसोई के आवश्यक सामानों के बाजार में यह विस्तार किया है। भारत में ब्रांडेड स्टेपल्स का बाजार लगभग रु. 80,000 करोड़ से भी अधिक का है। अगले 3-5 वर्ष तक पूरे देश के खाद्य बाजार में रु. 2,000 करोड़ से भी अधिक के कंपनी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह विस्तार किया गया है। कंपनी के फूड बिजनेस को अपने कुशल नेतृत्व से संभालने वाले विभास वी. अग्रवाल, डायरेक्टर, ईमामी ग्रुप ने कहा यह सिर्फ किसी कैटेगरी में प्रवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच समझकर लिया गया फैसला है। हम हर भारतीय के रोज के जीवन को गुणवत्ता, भरोसा और किफायती कीमतों के उत्पाद के साथ स्वाद की खुशियों से भर देना चाहते हैं। अग्रवाल ने आगे कहा खाद्य का महत्व सिर्फ.खाने तक नहीं है - इसके साथ भावनाएं जुड़ी हुई हैं। इस उत्पाद की शुरूआत के साथ हम पैंट्री सहित भारतीय रसोई में भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। हम खाद्य से जुड़ी रोज की परंपरा, पारिवारिक भोजन और आहार से संबंधित भावनात्मक बंधन का एक अहम हिस्सा बनना चाहते हैं। भारत में ब्रांडेड स्टेपल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। इसका कारण है कि ग्राहक लूज और अन्ब्रांडेड विकल्पों की तुलना में स्वच्छ, पैकेज्ड प्रोडक्ट्स को पसंद कर रहे हैं। और इस यात्रा की शुरूआत के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है। ईमामी एग्रोटेक लिमिटेड के पास मजबूत और प्रतिष्ठित डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और डिजिटली संचालित सप्लाई चेन है।

प्रॉमिस डे के रूप में विशेष शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित

फतेहपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत खखरेरू, वार्ड नंबर 10 सुखदेव नगर (प्रतापपुर महेड़ी, लोहारपुर) में समाजसेवी वेदांशू प्रजापति द्वारा 11 फरवरी (बुधवार) को प्रॉमिस डे के रूप में एक विशेष शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को छोटे-छोटे टेडी बियर (गुड्डा), पिक्चर बुक और लर्निंग बुक वितरित कर उत्साहपूर्वक कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से उनकी शिक्षा में सुधार लाने का संकल्प लिया गया। बच्चों को समय से स्कूल आने, पढ़ाई पर ध्यान देने और अध्यापकों से विषय से संबंधित पूरी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कम से कम 10 बच्चों का नवोदय विद्यालय में प्रवेश दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर एवं प्राथमिक विद्यालय लोहारपुर में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी गई तथा मेधावी छात्रों को पेन, पेंसिल, कॉपी, रबर, कटर, पिक्चर बुक एवं लर्निंग बुक देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित बच्चों में अंश गौतम, अनामिका देवी, अंजलि देवी, राज, सुनैना, रूबी, सलोनी, गौरव, अजय, अंशिका, अवंतिका, रंजना सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर अभिभावकों एवं शिक्षकों से विनम्र आग्रह किया गया कि वर्ष 2026 में नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए प्राथमिक विद्यालय से 5 से 10 बच्चों को विशेष तैयारी करवाई जाए, ताकि क्षेत्र का नाम रोशन हो सके। समाजसेवी वेदांशू प्रजापति ने अपील की कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए अध्यापक भूपेंद्र कुमार, विनय कुमार, अजय त्रिपाठी, सविता देवी एवं सभी अभिभावक इस विषय पर विशेष ध्यान दें और बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करें। यह कार्यक्रम बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, पत्रकार उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 11 फरवरी 2026 सत्याग्रह आन्दोलन के 1647वें दिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, पत्रकार उत्पीडन एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की

भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में ह्यसत्याग्रह आन्दोलनह्य जारी रहा। सत्याग्रह आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त ने बताया कि 9 अगस्त 2021 से यह आन्दोलन चलाया जा रहा है। यह आन्दोलन राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अधिग्रहण घोटाले के विरूद्ध चलाया जा रहा है। आगे यह भी कहा कि यह आन्दोलन जाँच के मुख्य बिन्दुओं पर कायम रहते हुए समस्या के निस्तारण तक जारी रहेगा। आन्दोलन के समर्थन में विकास पाण्डेय, नन्दलाल रावत, राम बहाल यादव, चन्द्रमणि पाण्डेय, राजितराम यादव, विजय प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र, आदित्य नारायण शर्मा, उदय प्रताप सिंह, उदयराज गौड़, राम आसरे विश्वकर्मा, विजय प्रताप सिंह, बिहारी लाल यादव व अन्य लोग उपस्थित रहे।

माता रमाई जयंती पर युवा मोराचा पाड़ा समाज संस्था द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन

आनंद यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोरेगांव स्थित आरे कॉलोनी के यूनिट नंबर 30 में युवा मोराचा पाड़ा समाज संस्था द्वारा माता रमाई की जयंती के उपलक्ष्य में पारंपरिक हल्दी-कुकू कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर वार्ड 53 के नव निर्वाचित नगर सेवक जितेंद्र वलवी, फिरोज पटेल, सुरेखा घुटे, खालिद सेठ, अजय प्रधान, विपिन यादव, वरिष्ठ पत्रकार अशोक झगड़े तथा केंद्रीय पत्रकार हेल्प एसोसिएशन की टीम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और उपस्थित अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक प्रताप कदम और समीर अंसारी सहित अन्य आयोजक सदस्यों ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अंत में मुख्य आयोजक प्रताप कदम ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम सौहार्द, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक बना। यदि आप चाहें तो मैं इसे और अधिक औपचारिक, संक्षिप्त या विस्तृत संस्करण में भी तैयार कर सकता हूँ।

कोरबा में बेटे के जेल जाने के कुछ घंटे बाद मां ने तोड़ा दम, पैरोल में किया अंतिम संस्कार

कोरबा। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सीतामणी वार्ड क्रमांक 10, शनि मंदिर के पास रहने वाले अरुण उर्फ गोविंदा श्रीवास के खिलाफ पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए मंगलवार शाम उसे गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया। गिरफ्तारी के कुछ ही घंटे बाद उसकी 45 वर्षीय बीमार मां सावित्री श्रीवास की तबीयत अचानक बिगड़ गई और देर रात उनकी मौत हो गई। वह पहले से अस्वस्थ थीं। बुधवार सुबह जैसे ही मोहल्ले में घटना की जानकारी फैली, बड़ी संख्या में बस्तीवासी और वार्ड पार्षद मृतक के घर पहुंचे। लोगों ने मांग की कि अरुण उर्फ गोविंदा को उसकी मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पैरोल पर रिहा किया जाए। इसके लिए वार्डवासी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और एसपी से गुहार लगाई। मामले की जानकारी मिलने पर सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाइश दी और आवश्यक प्रक्रिया के बाद गोविंदा को पैरोल पर रिहा कर उसके घर लाया गया। इसके बाद वह मोती सागर स्थित मुक्तिधाम पहुंचा, जहां उसने विधिवत अपनी मां का अंतिम संस्कार किया। इस दौरान किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। घटना को लेकर वार्ड के पूर्व पार्षद सुफल दास महंत ने इसे बेहद दुखद बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य मार्ग पर खुलेआम शराब की बिक्री हो रही है, लेकिन उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि गोविंदा के खिलाफ की गई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मृतका के छोटे बेटे ने बताया कि गोविंदा परिवार का बड़ा बेटा है और साइलो में काम करता है। पुलिस तलाशी के बाद उसे अपने साथ ले गई और बाद में जेल भेज दिया गया। एक मित्र ने भी दावा किया कि पुलिस उसे बाइक से ले गई थी और कुछ ही घंटों बाद उसकी मां की मौत की खबर मिली। यहां बताना होगा कि सीतामणी क्षेत्र में कुछ दिन पूर्व चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिस ने नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अभियान चलाया है। इसी कड़ी में उक्त दिन तीन लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया था। फिलहाल घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और बस्तीवासी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। अरुण उर्फ गोविंदा के खिलाफ 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे जेल दाखिल किया गया था। स्वजनों द्वारा पैरोल की मांग किए जाने पर नियमानुसार उसे अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी गई। - प्रतीक चतुर्वेदी, सीएसपी कोरबा

बजट : सात थानों के भवन, आवासीय परिसर, नए बैरक बनेंगे, बजट में मिली अनुमानित 185 करोड़ की राशि

कानपुर। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कमिश्नरी पुलिस के सात थानों के भवन, बैरक, आवासीय परिसर, अधिकारी आवास बनेंगे। इसके लिए पूर्व में प्रस्ताव भेजा गया था। बुधवार को प्रदेश सरकार के बजट में नए भवन और आवासीय परिसर के लिए अनुमानित 185 करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है। शहर की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या और मिशन शक्ति केंद्रों के संसाधनों को बढ़ाने का अलग बजट निर्धारित किया गया है। मौजूदा समय में कमिश्नरी पुलिस के 192.86 करोड़ रुपये की लागत से 20 निर्माण कार्य चल रहे है, जिनमें अरौल, बिल्हौर, साढ़, घाटमपुर, रेउना, सेन परिश्रम पारा के नए थाने और आवासीय भवन शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों और स्टाफ के आवासीय टावर का निर्माण चल रहा है। यह कलक्टरगंज, फजलगंज, टीपी लाइन परिसर में बन रहे हैं। पुलिस मुख्यालय में बेकनगंज, फजलगंज, सजेती, बिधनू, शिवराजपुर, सचेंडी, नर्वल थाने और आवासीय भवन, फायर स्टेशन की मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया था। इसके लिए अनुमानित 185 करोड़ रुपये बुधवार को जारी हुए बजट में स्वीकृत हो गए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त हेडक्वार्टर व अपराध संकल्प शर्मा ने बताया कि लगभग 185 करोड़ के बजट में सिर्फ निर्माण कार्य शामिल हैं। नए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, मिशन शक्ति, महिला बीट पुलिसिंग आदि के संसाधन बढ़ाने के लिए अलग बजट मिला है। इसका निर्धारण कराया जा रहा है।

बजट में किसानों, युवाओं, व्यापारियों, महिलाओं के हितकारी कोई ठोस विजन नहीं: आरिफ हबीब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बजट में सपने बड़े जरूर दिखाए गए हैं लेकिन अदूरदर्शी है। बजट में किसानों, युवाओं, व्यापारियों एवं महिलाओं के लिए कोई ठोस योजना नहीं। उक्त बातें समाजवादी पार्टी जौनपुर के ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने कही है। उन्होंने कहा कि पिछला बजट भी निराशाजनक रहा, पिछले वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट का 50% रकम ही खर्च हो पाया। दो अनुपूरक बजट भी आया लेकिन फिर भी पिछले बजट में की गई घोषणाएं अधूरी है, वहीं अभी तक उत्तर प्रदेश की अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार की विकासपरक ऐतिहासिक योजनाओं को भी आगे नहीं बढ़ा सके। मेट्रो लखनऊ में सपा सरकार में चलाई गई, एक इंच भी नया काम तो हुआ ही नहीं वहीं किसी अन्य जिलों में भी मेट्रो नहीं चलाई गई, काउ प्लांट से लेकर बहुत सी महत्वपूर्ण योजनाएं उन्हें बंद कर दिया गया। आज भी किसान खाद और यूरिया के लिए परेशान है। किसान, युवा और लघु एवं मध्यम वर्ग के व्यापारियों के हितकारी कोई ठोस विजन नहीं है। बड़े बड़े सपने दिखाने से बजट सार्थक नहीं होगा।

घर से 500 मीटर दूर कटी मिलीं सहेलियां, बचपन से एक साथ ही रहती थीं, एक की 6 महीने पहले हुई थी शादी

मलिहाबाद। रहीमाबाद के दिलावरनगर रेलवे स्टेशन के बीच बेलवा फाटक के पास बुधवार सुबह दो सहेलियों नीतू (23) और शशि (20) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। दोनों ने आत्महत्या क्यों की इसका पता नहीं चल सका है। नीतू बुधवार सुबह ही मायके आई थीं। दोनों बचपन से साथ रहती थीं। इस घटना से गांव में कई तरह की चर्चा है। मनकौटी के राजाखेड़ा गांव निवासी नीतू का विवाह छह माह पूर्व उन्नाव के औरास धनैया खेड़ा निवासी ईशू से हुआ था। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नीतू देवर के साथ गांव आई थीं। पिता बुद्धा ने बताया कि नीतू सहेली शशि से मिलने गई थी। दोनों घर से लगभग 400 मीटर दूर रेलवे ट्रैक पर पहुंचीं और ट्रेन के सामने कूद गईं। ट्रेन चालक की सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। छानबीन में रेलवे लाइन से थोड़ी दूरी पर स्थित बाग में उनकी चप्पलें और स्टॉल मिले। एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि दोनों की बचपन से गहरी दोस्ती थीं और अक्सर साथ रहती थीं। शादी के बाद भी नीतू अक्सर मायके में ही रहती थी। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। नीतू के देवर ने बताया कि नीतू ने पिता से मिलने की बात कही। इस पर वह उन्हें लेकर आए थे। नीतू के पति ईशू दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। गांव में तरह-तरह की चर्चाः ग्रामीणों ने दोनों को सुबह रेलवे लाइन किनारे हाथ में हाथ डाले जाते देखा था। एक घंटे बाद उनकी मौत की सूचना मिली। गांव में कई तरह की चचार्एं हैं। कुछ लोगों का कहना है कि शशि, नीतू के देवर से शादी करना चाहती थी लेकिन शशि के पिता इसके लिए राजी नहीं थे। वहीं, कुछ का मानना है कि दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं होना चाहती थीं। नीतू की शादी के बाद से शशि गुमसुम रहने लगी थी। शशि की शादी एक वर्ष पूर्व तय हुई थी लेकिन गोद भराई के बाद टूट गई थी। शशि के परिवार में अशर्फी लाल, बहन पूना, भाई राजकुमार, विनोद, मनीष, विकास और अवधेश हैं। वहीं, नीतू के परिवार में बुद्धा, भाई नरेश, बहनें अनीता और मीरा हैं। शशि ने हाईस्कूल और नीतू ने इंटर तक की पढ़ाई की थी।

कांदिवली प्रथम एवं वर्ली ब्लास्टर बनी बी एस वी एस प्रीमियर लीग टूर्नामेंट विजेता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार को मशहूर संगठन बिंद समाज विकास संघ द्वारा आचार्य अत्रे ग्राउंड पंतनगर घाटकोपर ईस्ट मुंबई में, बी एस वी एस तीसरा प्रीमियर लीग टूर्नामेंट महान समाजसेवी, स्वर्गीय सहदेव प्रसाद महतो ट्रॉफी टूर्नामेंट आयोजित किया गया, जिसमें कुल 12 टीमों ने भाग लिया सभी के कप्तानों ने कुशल नेतृत्व करते हुए अपने खिलाड़ियों का हर्षवर्धन हौसला बढ़ाया, वर्ली ब्लास्टर की टीम ने सभी टीमों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर टूनार्मेंट ट्रॉफी अपने नाम कर लिया द्वितीय स्थान पर रही कांदिवली चैंपियंस तीसरे स्थान पर विक्रोली एक्सप्रेस, वर्ली ब्लास्टर के कप्तान ओमप्रकाश बिंद ,कांदिवली चैंपियंस के कप्तान रतन बिंद विक्रोली एक्सप्रेस के कप्तान विकास बिंद ने अच्छे नेतृत्व का परिचय देते हुए अपने सभी खिलाड़ियों के साथ हंड्रेड परसेंटेज देकर टूर्नामेंट में अव्वल रहे, विजेता टीमों को और मैन ऑफ द मैच सभी खिलाड़ियों,बेस्ट टूर्नामेंट सीरीज में, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन,बेस्ट क्षेत्ररक्षण ने सीरीज अवॉर्ड लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने में कामयाब रहे,चर्चित समाजसेवी सुशील साहनी, के आर बिंद कंपनी के मालिक सी ए किशोरी लाल बिंद, उद्योगपति आर्यन बिंद, बिल्डर राम बहादुर बिंद, समाजसेवी राजेंद्र बिंद, सुरेश कुमार बिंद, मेवालाल निषाद, प्रकाश इंडस्ट्रीज के मालिक प्रकाश राधेश्याम बिंद, तमाम समाज सेवियों ने सभी खिलाड़ियों को अपने हाथों द्वारा चमचमाती हुई ट्रॉफी और उचित पुरस्कार देकर और बिंद समाज विकास संघ द्वारा सभी टीमों और खिलाड़ियों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।, मैदान में आए हुए सभी दर्शकों ने बिंद समाज विकास संगठन की बहुत तारीफ की सभी ने कहा कि ऐसे अन्य सामाजिक संगठनों को भी आगे आकर समाज और देश के भविष्य के होनहार खिलाड़ियों को तरासने का काम करें ताकि देश और समाज का नाम रोशन हो सके।